



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 118]

नई दिल्ली, बुधवार, मई 6, 2015/वैशाख 16, 1937

No. 118]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 6, 2015/VAISAKHA 16, 1937

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 5 मई, 2015

(अंतिम जांच परिणाम)

विषय : चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यात मेश्जरिंग टेप्स (मापक पट्टियों) के आयातों पर अधिरोपित पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा

सं.15/9/2014-डीजीएडी.—समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात अधिनियम कहा गया है) और उसके अंतर्गत बनी सीमाशुल्क प्रशुल्क (पाटित वस्तुओं की पहचान उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात नियमावली या पाटनरोधी नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए :

क. मामले की पृष्ठभूमि

2. यतः, निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात प्राधिकारी कहा गया है) ने चीन जन.गण. (जिसे एतदपश्चात संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "मेश्जरिंग टेप्स" (जिसे एतदपश्चात संबद्ध वस्तु कहा गया है) के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच की शुरुआत पहले दिनांक 23.10.2002 की अधिसूचना सं. 14/31/2002-डीजीएडी के तहत की थी। प्राधिकारी ने दिनांक 01 सितम्बर, 2003 की अधिसूचना संख्या 14/31/2002-डीजीएडी के तहत अंतिम जांच परिणाम जारी किया और केंद्रीय सरकार द्वारा संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर दिनांक 7 अक्तूबर, 2003 की अधिसूचना सं. 147/2003-सीमाशुल्क के तहत निर्णायक पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण किया था।

3. यतः, अधिनियम में उल्लिखित शर्तों के अनुसार अधिरोपित पाटनरोधी शुल्क यदि उसका पहले से प्रतिसंहरण नहीं कर लिया जाता है तो ऐसे अधिरोपण की तारीख से पांच वर्षों की समाप्ति के पश्चात निष्प्रभावी हो जाएगा।

4. और, उपर्युक्त प्रावधान के होते हुए भी, प्राधिकारी को इस साधन की समाप्ति की तारीख से पहले एक युक्तियुक्त समयावधि के अंदर घरेलू उद्योग द्वारा अथवा उसकी ओर से विधिवत साक्ष्यांकित अनुरोध के आधार पर यह समीक्षा करना

अपेक्षित होता है कि क्या इस शुल्क की समाप्ति से पाटन एवं क्षति की निरंतरता बने रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है।

5. और, यतः, उपर्युक्त प्रावधानों में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैसर्स एफएमआई लिमिटेड और मैसर्स फ्रीमैन्स मेशज़र्स लिमिटेड के अनुरोध पर प्राधिकारी द्वारा संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों के संबंध में दिनांक 31 मार्च, 2008 की अधिसूचना संख्या 15/2/2008-डीजीएडी के तहत एक निर्णायक समीक्षा जांच की शुरुआत की गई थी। प्राधिकारी ने दिनांक 27 मार्च, 2009 की अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना संख्या 15/2/2008-डीजीएडी के तहत संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क के सतत अधिरोपण की सिफारिश की थी और केंद्रीय सरकार ने संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर दिनांक 15 मई, 2009 की अधिसूचना संख्या 49/2009-सीमाशुल्क के तहत पाटनरोधी शुल्क का विस्तार किया था।

6. यतः, मैसर्स एफएमआई लिमिटेड (जिसे एतदपश्चात् आवेदक अथवा याचिकाकर्ता अथवा घरेलू उद्योग कहा गया है) ने संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के पाटन एवं घरेलू उद्योग की परिणामी क्षति की निरंतरता बने रहने की संभावना का आरोप लगाते हुए अधिनियम और नियमावली के अनुसार एक विधिवत साक्ष्यांकित आवेदन प्राधिकारी के समक्ष दायर किया और संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर अधिरोपित पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा करने, उसकी निरंतरता बनाए रखने और उसमें वृद्धि करने का अनुरोध किया है।

7. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की ओर से दायर विधिवत साक्ष्यांकित आवेदन के मद्देनजर और पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के साथ पठित अधिनियम की धारा 9क(5) के अनुसार संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के संबंध में प्रभावी पाटनरोधी शुल्क के अधिरोपण की निरंतरता बनाए रखने की जरूरत की समीक्षा करने और यह जांच करने के लिए कि क्या इस शुल्क को समाप्त कर देने से पाटन एवं घरेलू उद्योग को क्षति की निरंतरता बने रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है, दिनांक 9 मई, 2014 की अधिसूचना संख्या 15/9/2014-डीजीएडी के तहत द्वितीय निर्णायक समीक्षा जांच प्रारंभ की। संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर अधिरोपित पाटनरोधी शुल्क की वैधता को केंद्रीय सरकार द्वारा दिनांक 04 जुलाई, 2014 की अधिसूचना संख्या 29/2014-सीमाशुल्क (एडीडी) के तहत दिनांक 14 मई, 2015 तक बढ़ा दी है।

8. वर्तमान समीक्षा के दायरे में संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों से संबंधित पिछली जांच के सभी पहलू शामिल होंगे।

ख. प्रक्रिया

9. इस जांच में निम्नलिखित वर्णित प्रक्रिया का अनुपालन किया गया है :

- (i) प्राधिकारी ने इस जांच की कार्रवाई प्रारंभ करने से पहले पाटनरोधी नियमावली के अनुसार संबद्ध देश में उद्धवित अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के कथित पाटन का आरोप लगाते हुए आवेदनपत्र की प्राप्ति के संबंध में भारत में संबद्ध देश के राजदूतावास को इसकी सूचना प्रेषित की।
- (ii) प्राधिकारी ने संबद्ध देश में उद्धवित अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच की शुरुआत करते हुए एक सार्वजनिक सूचना भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित दिनांक 09 मई, 2014 की अधिसूचना सं. 15/09/2014-डीजीएडी जारी की।
- (iii) प्राधिकारी ने इस सार्वजनिक सूचना की एक प्रति सहित एक पत्र सभी ज्ञात निर्यातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों/उद्योग एसोसिएशनों (जिनके विवरण घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराए गए थे) को अग्रेषित किया और नियमावली के अनुसार उन्हें अपने विचारों से निर्धारित समय-सीमा के अंतर्गत लिखित रूप में उपलब्ध कराने के लिए एक अवसर प्रदान किया।
- (iv) प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुसार आवेदन के अगोपनीय पाठ की एक प्रति संबद्ध देश के सभी ज्ञात निर्यातकों को उपलब्ध कराई। आवेदनपत्र की एक प्रति, अनुरोध करने पर, अन्य हितबद्ध पक्षकारों को भी उपलब्ध कराई गई।
- (v) संबद्ध देश के निर्यातकों/उत्पादकों को प्रेषित पत्र और निर्यातक प्रश्नावलियां की प्रतियां सभी ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों की सूची सहित, भारत में संबद्ध देश के राजदूतावास को भी प्रेषित की गई और उनसे अनुरोध किया गया कि वह संबद्ध देश के सभी ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों तथा संबद्ध देश के अन्य निर्यातकों/उत्पादकों को सुझाव दें कि वे निर्धारित समय-सीमा के अंदर प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर करें।

- (vi) प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुसार संगत सूचना प्रदान करने के लिए निर्यातक प्रश्नावली संबद्ध देश के सभी निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को प्रेषित की :
- क. निंग्बो लैंड टूल्स एंड मेश्जरिंग टूल्स कंपनी लिमिटेड, चीन
 - ख. निंग्बो होंगडी मेश्जरिंग टेप इंडस्ट्री कंपनी, चीन
 - ग. शांक्सी युआन हांग मशीनरी इक्विपमेंट इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कारपोरेशन लिमिटेड, चीन
 - घ. सिक्सी जुन्बाओ स्टील टेप कंपनी लिमिटेड, चीन
 - ङ. यिवु वुडियान ग्रेट वाल हार्डवेयर, चीन
 - च. बाओफेंग टूल्स एंड मेश्जरिंग टूल्स कंपनी लिमिटेड, चीन
 - छ. हेनान बोन्थे मेश्जरिंग टूल्स कंपनी लिमिटेड, चीन
 - ज. युचेंग निन्घांग मेश्जरिंग टूल्स कंपनी लिमिटेड, चीन
 - झ. फोशान जोंग्शिआन मेश्जरिंग टूल्स कंपनी लिमिटेड, चीन
- (vii) तथापि, किसी भी निर्यातक ने निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर नहीं किया और न ही कोई अन्य प्रस्तुतिकरण किया।
- (viii) प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं/प्रयोक्ता एसोसिएशनों को (जिनके नाम और पते प्राधिकारी को उपलब्ध कराए गए थे) इस सार्वजनिक सूचना की एक प्रति प्रेषित की और उन्हें यह सुझाव दिया कि वे नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार प्राधिकारी द्वारा विहित समय-सीमा के अंदर अपने विचारों से लिखित रूप में अवगत कराएं :
- क) लोहिया ट्रेड कन्सर्न, दिल्ली
 - ख) विनय ब्रदर्स, मुंबई
 - ग) वी. के. इंटरनेशनल, मुंबई
 - घ) फहद इंटरप्राइजेज, मुंबई
 - ङ) घनश्याम दास एंड सन्स (वी. के. इंडस्ट्रीज) वी. के. इंडस्ट्रीज, मुंबई
 - च) न्यू वेव इंडस्ट्रीज, जालंधर
 - छ) आशियाना एक्सपोर्ट्स इंक मुंबई
 - ज) एस. के. इंटरप्राइजेज, मुंबई
 - झ) स्टर्लिंग इंटरप्राइजेज, मुंबई
 - ञ) दि एसोचेम, नई दिल्ली
 - ट) फिक्की, नई दिल्ली
 - ठ) भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई), नई दिल्ली
 - ड) भारतीय निर्यात संगठन परिसंघ, नई दिल्ली
 - ढ) फ्रीमैन्स मेश्जर्स लिमिटेड, लुधियाना
 - ण) कलश टेप कंपनी, मुंबई
 - त) वीनस इंडस्ट्रियल कारपोरेशन, लुधियाना

थ) अम्बिका ओवरसीज, जालंधर

- (ix) किसी भी आयातक प्रयोक्ता में आयात प्रश्नावली का प्रत्युत्तर नहीं दिया और न ही कोई अन्य प्रस्तुतिकरण किया।
- (x) वर्तमान समीक्षा जांच के प्रयोजनार्थ जांच की अवधि (पीओआई) 01 अप्रैल, 2013 से 31 दिसम्बर, 2013 (पीओआई) थी। तथापि, क्षति विश्लेषण की प्रवृत्तियों की जांच में वर्ष 2010-11, 2011-12, 2012-13 और जांच की अवधि को भी शामिल किया जाएगा।
- (xi) घरेलू उद्योग ने द्वितीयक स्रोत आईबीआईएस, मुंबई से प्राप्त सौदावार आयात आंकड़े प्रस्तुत किए हैं। प्राधिकारी ने तुलना करने के लिए उक्त आंकड़े वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से प्राप्त किए हैं। प्राधिकारी ने पाया कि जांच की अवधि में आईबीआईएस आंकड़ों में रिपोर्ट की गई आयात की मात्रा डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त आंकड़ों में रिपोर्ट की गई आयात मात्रा से बहुत अधिक (लगभग 24 गुना अधिक) थी और इसलिए प्राधिकारी वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में क्षति विश्लेषण के लिए आईबीआईएस आंकड़ों पर भरोसा किया है जैसाकि प्राधिकारी द्वारा ऐसी स्थिति में विभिन्न पिछली जांचों में किया है।
- (xii) उन निर्यातकों, उत्पादकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को जिन्होंने प्राधिकारी को न तो कोई प्रत्युत्तर दिया और न ही इस जांच से संगत सूचना प्रेषित की उन्हें प्राधिकारी द्वारा असहयोगकर्ता हितबद्ध पक्षकार के रूप में माना गया है।
- (xiii) प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्य का अगोपनीय पाठ नियम 6(7) के अनुसार सभी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण के लिए सार्वजनिक फाइल में खुला रखा गया।
- (xiv) प्राधिकारी ने घरेलू उत्पादकों द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना की जांच भारत में संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत और गैर-क्षतिकारी कीमत का निर्धारण करने के लिए अनुबंध-III में निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुरूप यथासंभव सीमा तक की है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि क्या पाटन मार्जिन से न्यूनतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा।
- (xv) नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार प्राधिकारी ने 10 मार्च, 2015 को आयोजित एक सार्वजनिक सुनवाई में सभी हितबद्ध पक्षकारों को अपने विचार मौखिक रूप से अभिव्यक्त करने के लिए एक अवसर प्रदान किया। इस सुनवाई में केवल घरेलू उद्योग ने अपने विधिक परामर्शदाता के साथ भाग लिया और उनसे यह अनुरोध किया गया कि वे मौखिक रूप से अभिव्यक्त अपने विचारों की लिखित प्रस्तुतिकरण करें।
- (xvi) जांच की कार्यवाही के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए प्रस्तुतिकरणों की जांच की गई है और उनका इस जांच में समाधान कर दिया गया है।
- (xvii) घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना और आंकड़ों का स्थल सत्यापन आवश्यक समझी गई सीमा तक किया गया है।
- (xviii) हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदान कराई गई सूचना की गोपनीयता की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में की गई। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने, जहां कहीं अधिपत्रित हुआ, गोपनीयता के दावे को स्वीकार कर लिया और ऐसी सूचना को गोपनीय के रूप में माना गया और उसका प्रकटन अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं किया गया है। जहां कहीं संभव हुआ वहां, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान कराने वाले हितबद्ध पक्षकारों को निदेश दिया गया कि वे गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय पाठ भी प्रस्तुत करें।
- (xix) जहां कहीं किसी हितबद्ध पक्षकार ने जांच की कार्यवाही के दौरान आवश्यक सूचना तक पहुंच की मनाही की है अथवा अन्यथा आवश्यक सूचना उपलब्ध नहीं कराई है अथवा इस जांच को भारी अवरोध उत्पन्न किया है, वहां प्राधिकारी ने उक्त जांच "उपलब्ध तथ्यों" के आधार पर की है तथा उन पक्षकारों को असहयोगकर्ता पक्षकार के रूप में माना गया है।
- (xx) इस जांच में अनिवार्य तथ्यों वाला एक प्रकटन विवरण, जो अंतिम जांच परिणाम का आधार बन सकता था, दिनांक 24-04-2015 को हितबद्ध पक्षकारों को जारी किया गया था। केवल घरेलू उद्योग ने प्रकटन विवरण का उत्तर दिया और इस अंतिम जांच परिणाम संबंधी अधिसूचना में घरेलू उद्योग से प्राप्त प्रकटन विवरण पश्चात अनुरोधों पर संगत समझी गई सीमा तक विचार किया गया है।
- (xxi) ***इस अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना का प्रतिनिधित्व करता है तथा प्राधिकारी द्वारा नियमावली के अंतर्गत उसे वैसा ही माना गया है।

(xxii) जांच की अवधि के लिए अपनाई गई विनिमय दर 1 यूएस डालर = 60.33/-रुपए है।

(ग) : विचाराधीन उत्पाद का दायरा एवं समान वस्तु

ग.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण

10. भारतीय बाजार में जिस उत्पाद का पाटन किया जा रहा है वह मेशज़रिंग टेप्स अथवा टेप्स है। विचाराधीन उत्पाद "मेशज़रिंग टेप्स" इसके पार्ट्स एवं संघटक है। सभी प्रकार के स्टील मेशज़रिंग टेप्स और फाइबर ग्लास टेप्स तथा उनके पार्ट्स अथवा संघटक वर्तमान याचिका की विषय वस्तु है।

11. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु और भारत में आयातित संबद्ध वस्तु दोनों समान वस्तुएं हैं।

ग. 2 उत्पादकों/निर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण

12. किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने इस विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के संबंध में कोई प्रत्युत्तर नहीं दिया है और न ही कोई मुद्दा उठाया है।

ग. 3 प्राधिकारी द्वारा जांच

13. वर्तमान याचिका में विचाराधीन उत्पाद मेशज़रिंग टेप्स या टेप्स है। मूल जांच में प्राधिकारी ने दिनांक 01 सितम्बर, 2003 को अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना संख्या 14/31/2002-डीजीएडी के तहत इस उत्पाद के निम्नवत विवरण पर विचार किया था :

"5. विचाराधीन उत्पाद" मेशज़रिंग टेप्स", उसके पार्ट्स और संघटक हैं, सभी प्रकार के स्टील मेशज़रिंग और फाइबर ग्लास टेप्स तथा उनके पार्ट्स एवं संघटक वर्तमान याचिका की विषय वस्तु हैं। इसका प्रयोग सामान्यतः किसी वस्तु की लंबाई एवं चौड़ाई मापने के लिए किया जाता है। इसका प्रयोग फोरमैन, राज-मिस्त्री, बढई, वानिकी विभाग और दर्जियों द्वारा किया जाता है। मेशज़रिंग टेप्स का निर्माण टेम्पर की गई उच्च गुणवत्ता वाली कार्बन स्टील ब्लेड से किया जाता है और उसे विशेष इनैमल द्वारा फास्फेटेड एवं कोटेड किया जाता है जिससे कि वह संछारण एवं जंग प्रतिरोधी बन सके। मेशज़रिंग टेप्स का प्रयोग निम्नलिखित के लिए किया जाता है :

क. उच्च प्रिंसीजन प्रोफेशनल कार्यों के लिए;

ख. किसी वस्तु की गहराई, चौड़ाई या लंबाई मापने के लिए;

ग. संकुचन एवं सर्वेक्षणों के लिए।

6. तकनीकी टर्म्स में मेशज़रिंग टेप्स को टेप की लंबाई और चौड़ाई के रूप में, प्रयोग किए गए कच्चे माल अर्थात् स्टील या फाइबर ग्लास के रूप में और अंततः उन परिशुद्धताओं, जिनके साथ आयामों को टेप पर चिह्नित किया जाता है, के रूप में परिभाषित किया जाता है। इसे सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम के अध्याय 90 के अंतर्गत उप-शीर्षक 9017, 9017.80, 9017.8001, 9017.90 के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है। याचिकाकर्ता ने उल्लेख किया है कि इस संबद्ध वस्तु का आयात उपर्युक्त उप-शीर्षकों के अंतर्गत किया जाता है। तथापि, यह सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और यह किसी भी रूप में वर्तमान जांच के दायरे पर बाध्यकर नहीं है।

14. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद का दायरा वही रहेगा जो विगत में अधिसूचित अंतिम जांच परिणाम में विचाराधीन उत्पाद का दायरा था।

15. मेशज़रिंग टेप्स को सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम के अध्याय 90 के अंतर्गत उप-शीर्षक संख्या 9017, 9017.80, 9017.8010, 9017.90 के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है। याचिकाकर्ता ने यह उल्लेख किया है कि इस संबद्ध वस्तु का 90171000, 90173010, 90173029, 90178010, 90178090, 90189099 आदि जैसे उप-शीर्षकों के अंतर्गत भी आयात किया जा रहा है। तथापि, यह वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और यह किसी भी रूप में वर्तमान जांच के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।

16. इसके अतिरिक्त आवेदक ने दावा किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित संबद्ध वस्तु तथा संबद्ध देश से भारत में आयातित संबद्ध वस्तु पाटनरोधी नियमावली के आशय के अंतर्गत समान वस्तुएं हैं और यह कि संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तु एवं घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है, यह कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु तथा संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तु दोनों ही भौतिक एवं रासायनिक गुणधर्मों, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, प्रकार्यों एवं प्रयोगों, उत्पाद विनिर्देशनों, कीमत निर्धारण विपणन एवं वितरण, प्रशुल्क वर्गीकरण आदि जैसे पैरामीटरों के रूप

में तुलनीय गुणधर्म होते हैं; यह कि उपभोक्तागण इनका प्रयोग अंतर्निर्मेय रूप से कर सकते हैं और इन दोनों का प्रयोग अंतर्निर्मेय रूप से कर भी रहे हैं और दोनों ही वस्तुएं तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। जांच के पश्चात् प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तु दोनों ही समान वस्तुएं हैं।

घ. घरेलू उद्योग का दायरा एवं आधार

घ.1. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण

17. घरेलू उद्योग ने घरेलू उद्योग के दायरे एवं उसके आधार के संबंध में निम्नलिखित प्रस्तुतिकरण किया है :

- (i) यह याचिका एफएमआई लिमिटेड द्वारा दायर की गई है।
- (ii) याचिकाकर्ता के अलावा इस विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन उन अन्य उत्पादकों द्वारा किया जा रहा है जिन्होंने इस याचिका का समर्थन किया है। मैसर्स फ्रीमैन्स मेशर्स लिमिटेड, मैसर्स कलस टेप कंपनी, मैसर्स वीनस इंडस्ट्रियल कारपोरेशन, मैसर्स अम्बिका ओवरसीज और मैसर्स न्यू वेव इंडस्ट्रीज इंडिया ने इस याचिका का समर्थन किया है।
- (iii) अकेले याचिकाकर्ता का उत्पादन इस समान वस्तु के भारतीय उत्पादन का बड़ा अनुपात बनता है। इसलिए, याचिकाकर्ता का संबद्ध उत्पाद के लिए भारतीय घरेलू उद्योग की ओर से यह याचिका दायर करने का पर्याप्त आधार है। इसके अतिरिक्त, याचिकाकर्ता, नियमावली के आशय के अंतर्गत घरेलू उद्योग है।

घ. 2 उत्पादकों/निर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किया गया प्रस्तुतिकरण

18. किसी भी अन्य हितबद्ध पक्षकार ने घरेलू उद्योग के दायरे और उसके आधार के संबंध में कोई भी प्रस्तुतिकरण किया है और न ही कोई मुद्दा उठाया है।

घ. 3 प्राधिकारी द्वारा जांच

19. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के तहत निम्नवत प्रावधान किया गया है :-

5(ख) "घरेलू उद्योग" का आशय समान वस्तु के विनिर्माण या उससे संबंधित किसी अन्य क्रियाकलाप में समग्र रूप से लगे उन सभी घरेलू उत्पादकों अथवा उन उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उस वस्तु के समस्त घरेलू उत्पादन का एक बड़ा अनुपात बनता हो, सिवाय इसके कि यदि वे उत्पादक कथित पाटित वस्तु के निर्यातकों अथवा आयातकों से संबंधित हो पाटित वस्तु के निर्यातकों अथवा आयातकों से संबंधित हों अथवा उसके स्वयं आयातक हो तो ऐसे मामलों में वाक्यांश "घरेलू उद्योग" को केवल शेष उत्पादकों के रूप में माना जाएगा।

20. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि यह आवेदनपत्र मैसर्स एफएमआई लिमिटेड द्वारा दायर किया है। प्राधिकारी पुनः यह नोट करते हैं कि आवेदक के अलावा भारत में इस समान वस्तु का विनिर्माण मैसर्स फ्रीमैन्स मेशर्स लिमिटेड, मैसर्स कलस टेप कंपनी, मैसर्स वीनस इंडस्ट्रियल कारपोरेशन, मैसर्स अम्बिका ओवरसीज और मैसर्स न्यू वेव इंडस्ट्रीज द्वारा किया जाता है। संबद्ध वस्तु के इन सभी उत्पादकों ने इस याचिका का समर्थन किया है।

21. प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध वस्तु के इन ज्ञात घरेलू उद्योग उत्पादकों को इस सार्वजनिक सूचना की एक प्रति के साथ-साथ विहित प्रपत्र भी भेजा और उन्हें सुझाव दिया कि वे क्षति निर्धारित करने के लिए संगत सूचना प्रदान कराए और निर्धारित समय-सीमा के अंदर अपने विचारों से लिखित रूप में अवगत कराए। यद्यपि, इन कंपनियों ने इस याचिका का समर्थन किया है, तथापि इन कंपनियों ने क्षति निर्धारित से संगत कोई भी सूचना प्रदान नहीं कराई है। केवल मैसर्स फ्रीमैन्स मेशर्स लिमिटेड ने ही अपनी क्षमता, उत्पादन और बिक्री से संबंधित आंकड़े उपलब्ध कराए हैं।

22. तथापि, प्राधिकारी के पास उपलब्ध रिकार्ड के अनुसार अकेले आवेदक का ही हिस्सा जांच की अवधि में कुल भारतीय उत्पादन में एक बड़ा भाग बनता है (55.82 प्रतिशत) उपर्युक्त स्थिति के मद्देनजर और पाटनरोधी नियमावली को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी यह निर्धारित करते हैं कि मैसर्स एफएमआई लिमिटेड पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के आशय के अंतर्गत घरेलू उद्योग है और यह याचिका नियमावली के नियम 5 में उल्लिखित शर्तों के अनुसार आधार के मापदंड को पूरा करती है।

ड.1. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण

23. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित प्रस्तुतिकरण किए गए हैं :

- क) चीन गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है। किसी भी देश ने चीन को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा नहीं दिया है।
- ख) चीन जन.गण. के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने निर्यातक प्रश्नावली का प्रत्युत्तर नहीं दिया है और न ही बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे का दावा किया है।
- ग) किसी बाजार अर्थव्यवस्था तृतीय देश में सामान्य मूल्य का निर्धारण कीमत या संरचित मूल्य के आधार पर इस कारण से नहीं किया जा सकता है कि याचिकाकर्ता को संगत सूचना उपलब्ध नहीं होती है। अन्य देशों से भारत को निर्यात कीमत को इस कारण से नहीं अपनाया जा सकता है कि अन्य देशों से आयात कीमत संबद्ध देश से आयातों के कारण प्रभावित हो सकती है। इसलिए सामान्य मूल्य का निर्धारण भारत में उत्पादन लागत के आधार पर किया गया है जिसमें स्टील और फाइबर ग्लास टेप्स के लिए, दोनों प्रकार के टेप्स के बीच लागत और कीमत में भारी अंतर होने के कारण, बिक्री सामान्य एवं प्रशासनिक व्यय और तर्कसंगत लाभ मार्जिन का विधिवत समायोजन किया गया है। इसके अतिरिक्त, दोनों ही प्रकार के टेपों के लिए प्रयोग किया जाने वाला प्रमुख कच्चा माल भी भिन्न है।
- घ) निर्यात कीमत का निर्धारण जांच की अवधि के दौरान, गौण स्रोत, आईबीआईएस द्वारा रिलीज किए गए आंकड़ों के अनुसार जांच की अवधि के लिए आयातों की मात्रा एवं मूल्य पर विचार करते हुए किया गया है। फैक्टरी बाह्य सतर पर निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए निर्यात कीमत का समायोजन उन व्ययों के लिए किया गया है जो निर्यातक द्वारा भारत में उक्त सामग्री के निर्यात करने के लिए उपगत किया गया है।

ड.2. उत्पादकों/निर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विवरण प्रस्तुतिकरण

24. किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर नहीं किया है और न ही कोई प्रस्तुतिकरण ही किया है अथवा सामान्य मूल्य निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में अन्यथा आवश्यक सूचना उपलब्ध नहीं कराई है।

ड. 3 प्राधिकारी द्वारा जांच

25. 9क (1) (ग) किसी वस्तु के संबंध में "सामान्य मूल्य" का आशय :

- (i) उपनियम (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश अथवा भू-भाग में खपत के उद्देश्य से व्यापार के सामान्य अनुक्रम में समान वस्तु के लिए तुलनीय कीमत है; अथवा
- (ii) निर्यातक देश या भूभाग की घरेलू बाजार में व्यापार के सामान्य अनुक्रम में जब उस सामान समान वस्तु की बिक्री न होती हो अथवा निर्यातक देश या भू-भाग की घरेलू बाजार में विशिष्ट बाजार परिस्थितियों अथवा बिक्री की न्यून मात्रा के कारण, ऐसी बिक्रियां समुचित तुलना करने की अनुमति न देती हों तो उस वस्तु का सामान्य मूल्य या तो-
 - (क) उप-धारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथा-निर्धारित उस समान वस्तु की वह तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत होगी जिस पर उसका निर्यात किसी निर्यातकर्ता देश या (भू-भाग से) किसी उपयुक्त तृतीय देश को किया जाता है; अथवा
 - (ख) उप-धारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री या सामान्य लागत तथा लाभ के लिए किए गए अन्य संवर्धनों सहित उद्गम के देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत होती है;

बशर्ते कि उद्गम के देश के अलावा किसी अन्य देश से उक्त समान वस्तु का आयात होने और जहां उक्त वस्तु का निर्यात के देश के जरिए केवल यानान्तरण किया गया हो अथवा उक्त वस्तु का निर्यात के देश में उत्पादन न किया जाता हो अथवा निर्यात के देश में उक्त वस्तु की कोई तुलनीय कीमत न हो तो सामान्य मूल्य निर्धारण उद्गम के देश में इसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

26. जांच शुरुआत के अवसर पर प्राधिकारी ने चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश की प्रकल्पना पर विचार करते हुए कार्रवाई की थी। जांच शुरुआत होने पर प्राधिकारी ने चीन के ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों तथा भारत में चीन के राजदूतावास को यह सुझाव दिया था कि वह इस जांच शुरुआत नोटिस का प्रत्युत्तर दे और उनको बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा देने के लिए संगत सूचना प्रदान करे। प्राधिकारी ने नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8(3) में उल्लिखित निर्धारित

मापदंडों के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की प्रकल्पना का खंडन करने प्राधिकारी ने सभी ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को एमईटी प्रश्नावली की प्रतियां प्रेषित की। प्राधिकारी ने चीन की सरकार से भी यह अनुरोध किया कि वह अपने देश में उत्पादकों/निर्यातकों को यह परामर्श दें कि वे संगत सूचना प्रदान करें। तथापि, चीन के किसी उत्पादक/निर्यातक ने कोई प्रत्युत्तर दायर नहीं किया। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पिछले तीन वर्षों में चीन जन.गण. को भारत द्वारा तथा डब्ल्यूटीओ के अन्य सदस्यों द्वारा पाटनरोधी जांच में गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है। उपर्युक्त को देखते हुए प्राधिकारी ने संबद्ध देश के उत्पादकों/निर्यातकों को वर्तमान जांच में गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में माना गया है।

27. यथासंशोधित नियमावली के अनुबंध-1 के पैराग्राफ 8 के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश की पूर्वावधारणा का खंडन किया जा सकता है यदि चीन जन.गण. के निर्यातक पैराग्राफ 8 के उप-पैराग्राफ (3) में विनिर्दिष्ट प्रतिमान के आधार पर सूचना और पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध कराते हैं और उसके विपरीत सिद्ध करते हैं। चीन में संबद्ध वस्तु के सहयोगकर्ता निर्यातकों/उत्पादकों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे बाजार अर्थव्यवस्था उपचार प्रश्नावली के प्रत्युत्तर में पैराग्राफ 8 के उप-पैराग्राफ (3) में यथा उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करें जिससे कि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित प्रतिमान का अनुपालन इस तथ्य पर विचार करते हुए कर सके कि क्या :

- (i) उक्त देश में कच्चे माल, प्रौद्योगिकी और श्रम की लागत, आउटपुट, बिक्रियों और निवेश को शामिल करते हुए कीमत लागत और इनपुट के संबंध में संबंधित फर्मों का निर्णय ऐसे बाजार संकेतकों के प्रत्युत्तर में किए गए हैं जो मांग एवं आपूर्ति को प्रतिबिंबित करते हैं और इस संबंध में निर्णय राज्य के हस्तक्षेप के बिना किया गया है और क्या प्रमुख इनपुटों की लागत बाजारों मूल्यों को पर्याप्त रूप से प्रदर्शित करती है;
- (ii) इन फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली, खासकर परिसंपत्तियों के मूल्यहास, बट्टे खातों में डाले गए अन्य, विनिमय व्यापार तथा ऋणों की क्षतिपूर्ति द्वारा भुगतान से की गई भारी विकृतियों के अध्यधीन होती है;
- (iii) यह फर्में दिवालियापन और संपत्तियों विधियों के अध्यधीन होती है जो इन फर्मों के प्रचालन के लिए विधिक निश्चितता एवं स्थिरता की गारंटी प्रदान करती है; और
- (iv) विनिमय दर परिवर्तन बाजार दरों पर किया जाता है।

28. इस तथ्य के मद्देनजर कि किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने एमईटी प्रश्नावली सहित कोई भी निर्यातक प्रश्नावली दायर नहीं की है, इसलिए चीन के उत्पादकों को एमईटी का दर्जा नहीं दिया गया है। इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग सहित किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने प्राधिकारी को एक उपयुक्त बाजार अर्थव्यवस्था वाले तृतीय देश का चयन करने के लिए कोई वास्तविक तथ्य प्रदान नहीं कराए। इसलिए, प्राधिकारी ने चीन जन.गण. के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा-7 के द्वितीय परंतुक में उल्लिखित शर्तों के अनुसार अन्य युक्तियुक्त आधार पर किया है।

29. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में प्रावधान है कि:

गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयात के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था तृतीय देश में कीमत अथवा विनिर्मित मूल्य, अथवा ऐसे तृतीय देश से भारत सहित किसी अन्य देश को कीमत के आधार पर किया जायेगा अथवा जहां संभव न हो वहां किसी अन्य तर्क संगत आधार पर, भारत में समान उत्पाद के लिए वास्तविक रूप में संदत्त अथवा प्रदत्त कीमत सहित विधिवत समायोजित कीमत जिसमें तर्क संगत लाभ मार्जिन को शामिल किया जा सके, के आधार पर किया जायेगा। निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा तर्क संगत ढंग से, संबंधित देश और प्रश्नाधीन उत्पाद के विकास के स्तर को ध्यान में रखते हुए एक समुचित बाजार अर्थव्यवस्था तृतीय देश का चयन किया जायेगा और चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी भरोसेमंद सूचना पर समुचित ध्यान दिया जायेगा। निश्चित समयसीमा के अंदर, जहां आवश्यक हो, किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था तृतीय देश के बारे में किसी समान मामले में की गई जांच को भी ध्यान रखा जायेगा। जांचकर्ता पक्षकारों को बिना किसी अनुचित विलम्ब के बाजार अर्थव्यवस्था तृतीय देश के उपर्युक्त चयन के बारे में सूचना दी जायेगी और उन्हें अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत करने के लिए तर्क संगत समय प्रदान किया जायेगा।

30. तदनुसार, चीन जन.गण. के सभी निर्यातकों के लिए इस विचाराधीन उत्पाद के फैक्टरी बाह्य सामान्य मूल्य की संरचना उपलब्ध तथ्यों के आधार पर की गई है और प्राधिकारी ने चीन जन.गण. के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा-7 के द्वितीय परंतुक में उल्लिखित शर्तों के आधार पर अन्य युक्तियुक्त ढंग से करने का प्रस्ताव किया है।

चीन जन.गण. के मामले में सामान्य मूल्य की संरचना करने के लिए अपनाई गई क्रियापद्धति

31. प्राधिकारी ने चीन के उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य की संरचना निम्नलिखित आधार पर की है :

- क) प्रमुख इनपुटों की कीमतों का निर्धारण घरेलू उद्योग की अधिप्रापण कीमतों के आधार पर किया है। एक कच्चे माल की कीमत प्रचलित अंतर्राष्ट्रीय कीमत के आधार पर की गई है और शेष कच्चे माल की कीमत घरेलू कीमतों के आधार पर निर्धारित की गई है।
- ख) कच्चे माल की खपत और संपरिवर्तन लागत को घरेलू उद्योग के आंकड़ों/सूचना के आधार पर अपनाया गया है।
- ग) बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक लागत का निर्धारण घरेलू उद्योग की सूचना/आंकड़ों के आधार पर किया गया है।
- घ) लाभ का निर्धारण ब्याज का अपवर्जन करके फैक्टरी बाह्य के 5 प्रतिशत की दर से किया गया है।

32. एक पक्षपात तुलना करने के लिए स्टील और फाइबर ग्लास टेप्स के लिए पृथक सामान्य मूल्य का परिकलन किया गया है। तदनुसार, चीन जन.गण. के संबंध में स्टील टेप्स और फाइबर ग्लास टेप्स के लिए प्राधिकारी द्वारा निर्धारित प्रस्तावित संरचित सामान्य मूल्य अधोलिखित पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाए गए के अनुसार है।

ड. 4. निर्यात कीमत का निर्धारण

33. चूंकि संबद्ध देश के किसी भी निर्यातक ने प्राधिकारी को प्रत्युत्तर नहीं दिया है, इसलिए प्राधिकारी ने चीन जन.गण. से आयातों के संबंध में निर्यात कीमत का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर किया है। आवेदक ने निर्यात कीमत का निर्धारण आंकड़े आपूर्तिकर्ता एजेंसी आईबीआईएस द्वारा, यथा रिपोर्टित, भारत में इस विचाराधीन उत्पाद के आयातों के आधार पर किया है। निर्दिष्ट प्राधिकारी को भी जांच की कार्यवाही के दौरान डीजीसीआईएंडएस द्वारा रिपोर्ट किए गए आयातों की तुलना में (जांच की अवधि में, आईबीआईएस द्वारा रिपोर्ट की गई आयात मात्रा से 24 गुना अधिक है) और इसलिए, प्राधिकारी ने आईबीआईएस से प्राप्त आंकड़ों पर विचार किया है और निर्यात कीमत का निर्धारण भारत में विचाराधीन उत्पाद के सभी आयातों पर विचार करते हुए किया है। चीन जन.गण. के निर्यातकों से सहयोग न मिलने के मद्देनजर आवेदक घरेलू उद्योग द्वारा किए गए दावों के आधार पर कीमत समायोजन किया गया है। निर्यात कीमत का निर्धारण फैक्टरी बाह्य स्तर पर समुद्री भाड़ा, सामुद्रिक बीमा, कमीशन, बैंक प्रभार, पत्तन एवं अंतरदेशीय भाड़ा प्रभारों का समायोजन करने के पश्चात किया गया है। तदनुसार चीन जन.गण. के संबंध में स्टीलटेप्स और फाइबर ग्लास टेप्स के लिए प्राधिकारी द्वारा निर्धारित प्रस्तावित निर्यात कीमत का उल्लेख अधोलिखित पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

ड. 5. पाटन मार्जिन

34. ऊपर यथानिर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर विचार करते हुए प्रस्तावित पाटन मार्जिन का निम्नवत निर्धारण किया गया है। यह देखा गया कि पाटन मार्जिन न्यूनतम से अधिक एवं महत्वपूर्ण है।

पाटन मार्जिन

पैरामीटर्स	मापन की इकाई	स्टील मेशज़रिंग टेप्स	फाइबर ग्लास मेशज़रिंग टेप्स
सामान्य मूल्य	यूएस डालर/किग्रा	***	***
निर्यात कीमत	यूएस डालर/किग्रा	***	***
पाटन मार्जिन	यूएस डालर/किग्रा	***	***
पाटन मार्जिन %	%	***	***
पाटन मार्जिन रेंज %	%	120-160	50-70

च. क्षति निर्धारण, क्षति की जांच और कारणात्मक संबंध के लिए क्रियापद्धति

च.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण

35. क्षति एवं कारणात्मक संबंधों के बारे में घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित प्रस्तुतिकरण किया है :

- क) क्षति अवधि में मांग में बढ़ने की प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है।
- ख) पाटनरोधी शुल्क की मौजूदगी के बावजूद आयातों का पाटित कीमतों पर प्रवेश जारी रहा।

- ग) घरेलू उद्योग को चीन के अलावा कई देशों से पाटन का सामना करना पड़ रहा है। घरेलू उद्योग ने ताईवान, थाईलैंड, मलेशिया और वियतनाम से विचाराधीन उत्पाद के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच की शुरूआत की मांग करते हुए याचिका दायर की है। उक्त याचिका प्राधिकारी के समक्ष जांच शुरूआत का निर्णय लेने के लिए लंबित है।
- घ) वर्ष 2012-13 तक चीन से आयातों में गिरावट आई और तत्पश्चात जांच की अवधि में इसमें वृद्धि हुई।
- ङ) चीन से आयात की मात्रा तृतीय देशों से पाटित आयात की मात्रा की तुलना में बहुत कम है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि चूंकि आयातकों की पहुंच तृतीय देशों के पाटित आयातों तक भी है इसलिए आयातक चीन से आयात नहीं करते हैं और तृतीय देशों से आयात करते हैं।
- च) क्षति अवधि में भारी कीमत अधोरदन हुआ है।
- छ) आयातों की उतराई कीमत घरेलू उद्योग की लागत और बिक्री कीमत की तुलना में बहुत कम है। यद्यपि इस अवधि में उत्पादन लागत और बिक्री कीमत दोनों में वृद्धि हुई है तथापि बिक्री कीमत में हुई यह वृद्धि उत्पादन लागत में हुई वृद्धि की तुलना में बहुत कम है।
- ज) मौजूदा और नए स्रोतों से पाटित आयात घरेलू उद्योग की कीमतों का निग्रहण कर रहे हैं और कीमतों में वृद्धि होने से वंचित कर रहे हैं जो पाटन के अभाव में भारी मात्रा में हुई होती।
- झ) उत्पादन और बिक्री मात्रा में वृद्धि केवल इस कारण से हुई है कि घरेलू उद्योग उस कीमत क्षति का मुकाबला करने का प्रयास कर रहा है जो बिक्री में वृद्धि करके सहन कर रहे थे, हालांकि यह बिक्रियां केवल निग्रहित कीमतों पर की गई है।
- ञ) लाभ, निवेश पर प्रतिलाभ और नकद प्रवाह के रूप में घरेलू उद्योग के निष्पादन में भारी गिरावट आई है।
- ट) कीमत पैरामीटरों के संबंध में घरेलू उद्योग का विपरीत विकास हुआ है।

च. 2 उत्पादकों/निर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण

36. क्षति एवं कारणात्मक संबंध के बारे में किसी भी उत्पादक/निर्यात/अन्य हितबद्ध पक्षकार ने कोई प्रस्तुतिकरण नहीं किया है।

च. 3 प्राधिकारी द्वारा जांच

37. इस संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए विभिन्न प्रस्तुतिकरणों पर विचार करते हुए प्राधिकारी ने संबद्ध देश से आयातों के कारण घरेलू उद्योग को पाटन एवं क्षति की संभावना की जांच की कार्रवाई करने से पहले घरेलू उद्योग को इस समय होने वाली क्षति, यदि कोई है, की जांच की है।

38. अनुबंध-II के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 में प्रावधान है कि क्षति निर्धारण में उन सभी कारकों की जांच अंतर्ग्रस्त होगी जिनसे घरेलू उद्योग को क्षति का संकेत मिलता हो। ".....पाटित आयातों की मात्रा, घरेलू बाजार में समान वस्तु के लिए कीमतों पर उनके प्रभाव, इन वस्तुओं के घरेलू उत्पादों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत कारकों पर ध्यान देते हुए कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव की मात्रा पर विचार करने में यह जांच करना आवश्यक समझा जाता है कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमतों की तुलना में पाटित आयातों द्वारा भारी कीमत अधोरदन हुआ है या इन आयातों के प्रभाव उन कीमतों का भारी मात्रा में अवमंदन करना या कीमतों में वृद्धि को कम करना है, जो अन्यथा भारी मात्रा में हुई होती।

39. पाटन रोधी नियमावली के अनुबंध-II में (क) पाटित आयातों की मात्रा और घरेलू बाजार में समान वस्तु की कीमतों पर पाटित आयातों का प्रभाव; और (ख) और इन वस्तुओं के घरेलू उत्पादों पर इन आयातों का परिणामी प्रभाव दोनों की वास्तविक जांच करने का प्रावधान है। पाटित आयातों के प्रभाव की मात्रा के संबंध में प्राधिकारी को यह परीक्षण करना अपेक्षित होता है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप से या भारत में उत्पादन अथवा खपत से संगत रूप से पर्याप्त वृद्धि हुई है। पाटित आयातों का कीमत पर पड़ने वाले प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी को यह परीक्षण करना अपेक्षित होता है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत अधोरदन किया गया है, अथवा इन

आयातों के प्रभाव से कीमतों का अन्यथा भारी मात्रा में निग्रहण हो रहा है, अथवा वे कीमतों को बढ़ने से रोक रही है, जो अन्यथा पर्याप्त मात्रा में हुई होती।

40. भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए पूर्वोक्त नियमावली के अनुबंध-II के अनुसार उन सभी देशनाकों पर विचार किया गया है जिनका घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है जैसे उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्रापण, पाटन मार्जिन एवं पाटन की मात्रा आदि।

41. वर्तमान जांच प्रभावी पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा है। नियम 23 में प्रावधान है कि समीक्षा के मामलों में भी नियम 11 के प्रावधान यथावश्यक परिवर्तनों सहित लागू होंगे। इसलिए, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को क्षति का निर्धारण अनुबंध-II के साथ पठित नियम 11 के प्रावधानों पर यथावश्यक परिवर्तनों सहित विचार करते हुए किया है। इसके अतिरिक्त, चूंकि विचाराधीन उत्पाद के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क प्रभावी है, इसलिए प्राधिकारी यह विचार करते हैं कि क्या चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के आयातों पर मौजूदा पाटनरोधी शुल्क पर घरेलू उद्योग की क्षति की जांच करते समय विचार करना अपेक्षित है। प्राधिकारी ने यह जांच की है कि क्या मौजूदा पाटनरोधी उपाय उस पाटन का मुकाबला करने के लिए पर्याप्त है या नहीं जो क्षति कारित कर रहा है।

42. सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम की धारा 9(क) (5) के अनुसार अधिरोपित पाटनरोधी शुल्क, यदि उसका पहले प्रतिसंहरण नहीं कर दिया जाता है तो, ऐसे अधिरोपण के पांच वर्ष पश्चात उसका प्रभाव समाप्त हो जाएगा, बशर्ते कि यदि केंद्रीय सरकार का किसी समीक्षा में यह विचार है कि इस शुल्क को समाप्त कर देने से पाटन और क्षति की निरंतरता बने रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है तो वह समय-समय पर, ऐसे अधिरोपण की अवधि को अगले पांच वर्षों की अवधि के लिए इसमें विस्तार करेगी और यह संवर्धित अवधि इसके विस्तार से की तारीख से प्रारंभ होगी।

43. क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग पर संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कीमत एवं मात्रा प्रभाव की जांच की तथा पाटन एवं क्षति के बीच कारणात्मक संबंध, यदि कोई, की जांच करने के लिए कीमत और लाभप्रदता पर इसके प्रभाव की जांच की। प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को क्षति की जांच नियमों के अंतर्गत घरेलू उद्योग बनाने वाले मैसर्स एफएमआई लिमिटेड से संबंधित सूचना पर विचार करते हुए की है। तदनुसार, पाटित आयातों की मात्रा एवं कीमत प्रभाव की जांच निम्नवत की गई है :

च.4 पाटित आयातों का मात्रा प्रभाव तथा घरेलू उद्योग पर उसका प्रभाव

क) मांग एवं बाजार हिस्सा

44. प्राधिकारी ने देश में इस उत्पाद की मांग अथवा प्रत्यक्ष खपत का निर्धारण भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्री और सभी स्रोतों से भारत में इस संबद्ध वस्तु के आयातों के योग के रूप में की है। इस तरह आकलित की गई मांग को अधोलिखित तालिका में देखा जा सकता है। यह देखा जाता है कि इस विचाराधीन उत्पाद की देश में मांग में वर्ष 2012-13 तक वृद्धि हुई और फिर जांच की अवधि में इसमें थोड़ी सी गिरावट आई। तथापि, इस मांग में आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में कुछ वृद्धि हुई है। भारतीय उत्पादकों और संबद्ध देश के बाजार हिस्से में क्षति अवधि के दौरान गिरावट आई है। तथापि, अन्य देशों से आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है। याचिकाकर्ता ने यह दावा किया है कि नए स्रोतों से पाटित कीमतों पर आयात होना प्रारंभ हो गए हैं और यह कि उन्होंने इन स्रोतों पर पाटनरोधी शुल्क की जांच प्रारंभ करने के लिए विचारार्थ प्राधिकारी के समक्ष एक याचिका पहले ही दायर कर रखी है :

मांग एवं बाजार हिस्सा

मांग :	यूनिट	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवधि	जांच की अवधि वार्षिकीकृत
संबद्ध देश – चीन जन.गण.	एमटी	66.42	32.25	18.48	20.32	27.09
अन्य देशों से आयात	एमटी	555.60	762.86	1,254.21	840.92	1,121.23
घरेलू उद्योग की बिक्री	एमटी	964	1057	1267	946	1261
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	एमटी	950	923	1,120	826	1,101
सभी भारतीय उत्पादकों की बिक्री	एमटी	1,914	1,980	2,387	1,772	2,362
कुल मांग	एमटी	2,537	2,774	3,659	2,633	3,510

मांग में बाजार हिस्सा						
संबद्ध देश – आयात	%	3%	1%	1%	1%	1%
अन्य देश – आयात	%	22%	27%	34%	32%	32%
घरेलू उद्योग	%	38%	38%	35%	36%	36%
अन्य भारतीय उत्पादक	%	37%	33%	31%	31%	31%
समग्र रूप से घरेलू उत्पादक	%	75%	71%	65%	67%	67%

*जांच की अवधि – अप्रैल, 2013 – दिसम्बर, 2013

ख) आयात मात्रा और बाजार हिस्सा

45. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में प्राधिकारी को यह विचार करना अपेक्षित होता है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप से अथवा भारत में उत्पादन और खपत के संगत रूप में भारी वृद्धि हुई है। आयात तथा भारत में उत्पादन एवं खपत के संगत रूप में आयात की मात्रा अधोलिखित तालिका में दी गई है :

आयात मात्रा	यूनिट	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवधि	जांच की अवधि वार्षिकीकृत
संबद्ध देश – चीन जन.गण.	एमटी	66	32	18	20	27
देशों से आयात	एमटी	556	763	1,254	841	1,122
कुल आयात		622	795	1,272	861	1,149
मांग	एमटी	2,537	2,774	3,659	2,633	3,510
घरेलू उद्योग का उत्पादन	एमटी	1,151	1,235	1,521	1,021	1,361
अन्य उत्पादकों का उत्पादन	एमटी	956	914	1,127	807	1,077
कुल उत्पादन	एमटी	2,107	2,149	2,648	1,828	2,438
निम्नलिखित के संबंध में संबद्ध देश से आयात :						
कुल आयात	%	10.68%	4.06%	1.45%	2.36%	2.36%
मांग	%	2.62%	1.16%	0.50%	0.77%	0.77%
उत्पादन	%	3.15%	1.50%	0.70%	1.11%	1.11%

*जांच की अवधि – अप्रैल, 2013 – दिसम्बर, 2013

46. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के आयातों में वर्ष 2012-13 में गिरावट आई है, परंतु जांच की अवधि में उसमें वृद्धि हुई है। तथापि, भारत में कुल आयातों, भारत में स्पष्ट मांग/खपत और भारत में कुल उत्पादन के संबंध में चीन जन.गण. से आयातों का हिस्सा तृतीय देशों से होने वाले आयातों की तुलना में बहुत कम है। घरेलू उद्योग ने यह दावा किया है कि संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद के आयातों में पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने के परिणामस्वरूप गिरावट आई है। साथ ही, उन्होंने यह भी दावा किया है कि इस बात की भी संभावना है कि यदि इस पाटनरोधी शुल्क को समाप्त कर देने की अनुमति दी जाती है तो इस संबद्ध देश से आयातों की मात्रा में भारी वृद्धि होगी।

च.5 पाटित आयातों का कीमत प्रभाव और घरेलू उद्योग पर प्रभाव

47. संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों के कारण घरेलू उद्योग पर कीमतों के प्रभाव की जांच कीमत अधोरदन, कीमत अधोविक्रयण, कीमत निग्रहण और कीमत अवमंदन के संबंध में की गई। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत, निवल बिक्री प्रापण (एनएसआर) और गैर-क्षतिकारी कीमत (एनआईसी) की तुलना में संबद्ध देश से आयातों के उतराई मूल्य से की गई। जांच की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की तुलना पाटित आयातों के उतराई मूल्य तथा घरेलू बाजार में घरेलू बिक्री कीमत से की गई। घरेलू उद्योग के निवल बिक्री प्रापण का निर्धारण करने के लिए घरेलू उद्योग द्वारा पेशकश किए गए रिबेटो, डिस्काउंट, कमीशन और करों का समायोजन किया गया है। कीमत अधोविक्रयण क्षति के आकलन का एक महत्वपूर्ण

संकेतक है। अतः, प्राधिकारी ने एक गैर-क्षतिकारी कीमत का निर्धारण किया है और उसकी तुलना कीमत अधोविक्रयण की सीमा का निर्धारण करने के लिए उतराई मूल्य से की गई है। घरेलू उद्योग के लिए गैर-क्षतिकारी कीमत का मूल्यांकन जांच की अवधि के दौरान इस विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन लागत पर विचार करते हुए की गई है। स्थिति निम्नवत है :

क) कीमत अधोरदन और कीमत अधोविक्रयण

48. कीमत अधोरदन/अधोविक्रयण प्रभाव की जांच निम्नवत की गई है :

स्टील मेशज़रिंग टेप्स

विवरण	यूनिट	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवधि
निवल बिक्री प्रापण	रुपए/किग्रा	***	***	***	***
उतराई कीमत	रुपए/किग्रा	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	रुपए/किग्रा	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	%	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	रेंज %	60-70%	30-50%	50-60%	50-60%

फाइबर ग्लास मेशज़रिंग टेप्स

विवरण	यूनिट	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवधि
निवल बिक्री प्रापण	रुपए/किग्रा	***	***	***	***
उतराई कीमत	रुपए/किग्रा	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	रुपए/किग्रा	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	%	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	रेंज	80-90%	75-85%	30-40%	35-45%

मेशज़रिंग टेप्स (स्टील एवं फाइबर ग्लास)

विवरण	यूनिट	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवधि
निवल बिक्री प्रापण	रुपए/किग्रा	***	***	***	***
उतराई कीमत	रुपए/किग्रा	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	रुपए/किग्रा	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	%	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	रेंज	75-85%	60-70%	50-60%	50-60%

कीमत अधोविक्रयण

पैरामीटर्स	यूनिट	स्टील टेप्स	फाइबर ग्लास टेप्स	मेशज़रिंग टेप्स (स्टील एवं फाइबर ग्लास)
घरेलू उद्योग की गैर-क्षतिकारी कीमत	रुपए/किग्रा	***	***	***
उतराई मूल्य	रुपए/किग्रा	***	***	***
कीमत अधोविक्रयण	रुपए/किग्रा	***	***	***
कीमत अधोविक्रयण	%	***	***	***
रेंज	%	100-130	40-50	100-120

49. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क के बिना आयातों की उतराई कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से बहुत कम है, अतः यदि पाटनरोधी शुल्क को समाप्त कर दिया जाता है तो उसके परिणामस्वरूप भारी कीमत अधोरदन होगा। इसके अतिरिक्त, आयातों की उतराई कीमत पाटनरोधी शुल्क न होने की स्थिति में घरेलू उद्योग की गैर-क्षतिकारी कीमत से बहुत कम है; और एतद्वारा, उसका भारी कीमत अधोविक्रयण प्रभाव हुआ है।

ख) कीमत निग्रहण एवं अवमंदन

50. घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के कीमत निग्रहण एवं अवमंदन प्रभाव की जांच करने के लिए घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्रापण की प्रवृत्ति की तुलना बिक्री लागत से की गई है। अधोलिखित आंकड़े यह दर्शाते हैं कि यद्यपि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री लागत और बिक्री कीमत दोनों में ही वृद्धि हुई है तथापि, बिक्री कीमत में हुई यह वृद्धि उत्पादन लागत में हुई वृद्धि की तुलना में बहुत कम है जो कीमत निग्रहण प्रभाव की मौजूदगी दर्शाता है। आवेदक ने दावा किया है इन पुट लागत में वृद्धि होने के कारण उत्पादन लागत में वृद्धि हो गई और घरेलू उद्योग मौजूदा तथा ना स्रोतों से पाटित आयातों के प्रभाव के कारण अपनी कीमतों में उस अनुपात में वृद्धि करने में अक्षम रहा जिस अनुपात में उसकी उत्पादन लागत में वृद्धि हुई थी। इसके परिणामस्वरूप, घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट आई है।

विवरण	यूनिट	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवधि
बिक्री लागत	रुपए/किग्रा	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	105	117	121
बिक्री कीमत	रुपए/किग्रा	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	101	105	107
लाभ/हानि	रुपए/किग्रा	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	71	22	10

च.6 घरेलू उद्योग के आर्थिक पैरामीटरों पर प्रभाव

51. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में यह अपेक्षा की जाती है कि क्षति का निर्धारण करने में इन उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की उद्देश्यपरक जांच अंतर्ग्रस्त होगी। इन उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में पाटनरोधी नियमावली में आगे यह प्रावधान किया गया है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में उन सभी संगत आर्थिक कारकों एवं संकेतकों की उद्देश्यपरक एवं पक्षपात रहित जांच शामिल होगी जिनका उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है, इनमें शामिल है बिक्री, लाभ, आउटपुट, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर प्रतिलाभ या क्षमता उपयोग में संभावित एवं वास्तविक गिरावट; घरेलू उद्योग की कीमतों को प्रभावित करने वाले उपादान, पाटन मार्जिन का परिमाण; नकदी प्रवाह, मालसूची, रोजगार, वेतन, वृद्धि, पूंजी निवेश उगाहने की क्षमता पर वास्तविक एवं संभावित ऋणात्मक प्रभाव। घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न क्षति पैरामीटरों पर निम्नवत चर्चा की गई है।

क) क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री

52. घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री मात्रा से संबंधित सूचना निम्नवत है :

विवरण	यूनिट	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवधि	जांच की अवधि (वार्षिकीकृत)
संस्थापित क्षमता	एमटी	2,400	2,400	2,400	1,800	2,400
उत्पादन	एमटी	1,151	1,235	1,521	1,021	1,361
क्षमता उपयोग	%	48%	51%	63%	57%	57%
घरेलू बिक्री	एमटी	964	1,057	1,267	946	1,261

53. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि क्षति अवधि में घरेलू उद्योग की क्षमता में कोई परिवर्तन नहीं आया है। इस विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन और उसकी बिक्री में वर्ष 2012-13 तक वृद्धि हुई है और फिर जांच की अवधि में इसमें गिरावट आई। यह नोट किया जाता है कि क्षमता उपयोग में वर्ष 2012-13 तक वृद्धि हुई और तत्पश्चात इसमें जांच की अवधि में गिरावट आई। तथापि, घरेलू उद्योग संपूर्ण क्षति अवधि के दौरान अपनी क्षमताओं के कम उपयोग की समस्या का सामना करता रहा।

ख) बाजार हिस्सा

54. अधोलिखित तालिका से यह नोट किया जाता है कि पाटनरोधी शुल्क के प्रभाव के कारण संबद्ध देश के बाजार हिस्से में गिरावट आई है। तथापि, क्षति अवधि के दौरान भारतीय उत्पादकों के बाजार हिस्से में भी गिरावट आई है, जबकि अन्य देशों से आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई जिसके कारण इस वस्तु का संवर्धित पाटन हुआ। याचिकाकर्ता ने यह दावा किया है कि नए स्रोतों से पाटित कीमतों पर आयात होने लगे। उन्होंने प्राधिकारी के समक्ष एक याचिका इन नए स्रोतों के संबंध में पाटनरोधी जांच पर विचार करने के लिए दायर की है।

मांग में बाजार हिस्सा	यूनिट	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवधि	जांच की अवधि (वार्षिकीकृत)
संबद्ध देश – आयात	%	3%	1%	1%	1%	1%
अन्य देश – आयात	%	22%	27%	34%	32%	32%
घरेलू उद्योग	%	38%	38%	35%	36%	36%
अन्य भारतीय उत्पादक	%	37%	33%	31%	31%	31%
घरेलू उत्पादक समग्र रूप से	%	75%	71%	65%	67%	67%

ग) लाभ, नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ और नकद लाभ

55. घरेलू उद्योग के लाभ, निवेश पर प्रतिलाभ और नकद लाभ की स्थिति की जांच निम्नवत की गई है :

विवरण	यूनिट	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवधि (वार्षिकीकृत)
बिक्री लागत	रुपए/किग्रा	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	105	117	121
बिक्री लागत	रुपए/किग्रा	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	101	105	107
लाभ/हानि प्रति यूनिट	रुपए/किग्रा	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	71	22	10
लाभ/हानि	रुपए (लाख)	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	78	29	10
ब्याज एवं कर पूर्व लाभ	रुपए (लाख)	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	83	47	25
नकद लाभ	रुपए (लाख)	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	79	40	22
नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	87	33	18

56. उपर्युक्त से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि :

- घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत और बिक्री लागत में क्षति अवधि में वृद्धि हुई। तथापि, घरेलू उद्योग की बिक्री लागत में हुई वृद्धि उसकी बिक्री कीमत में हुई वृद्धि की तुलना में अधिक थी।
- क्षति अवधि में लाभप्रदता में कमी आई है। आवेदक ने दावा किया है कि यह क्षति संबद्ध देश से संचयी पाटित आयातों और मौजूदा क्षति अवधि में कई नए स्रोतों से पाटित आयातों द्वारा कारित की गई है। जांच की अवधि में लाभप्रदता बहुत ही कम थी।

- (iii) क्षति अवधि में लाभ, नकद लाभ, कर एवं व्याज पूर्व लाभ और नियोजित पूंजी पर प्रति लाभ में, लाभप्रदता में गिरावट के साथ-साथ, भारी गिरावट आई।
- (iv) यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के उत्पादन और बिक्री मात्रा में वृद्धि होने के बावजूद लाभप्रदता में गिरावट आई है। यह इस तथ्य का प्रतिबिम्बन करता है कि उत्पादन एवं बिक्री मात्रा में यह वृद्धि केवल इस कारण से हुई कि घरेलू उद्योग उस कीमत क्षति का सामना करने का प्रयास कर रहा था जिसे वह बढ़ती बिक्री के कारण सहन कर रहा था, हालांकि वे अपनी बिक्री निग्रहित कीमतों पर कर रहे थे।

घ) रोजगार एवं वेतन

57. क्षति अवधि के दौरान रोजगार और वेतन में वृद्धि हुई है जैसा अधोलिखित तालिका से देखा जा सकता है :

विवरण	यूनिट	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवधि*
रोजगार	संख्या	***	***	***	***
वेतन	रुपए (लाख)	***	***	***	***

ड.) उत्पादकता

58. घरेलू उद्योग की उत्पादकता अधोलिखित तालिका में दी गई है :

विवरण	यूनिट	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवधि
उत्पादकता प्रति कर्मचारी	एमटी	***	***	***	***
उत्पादकता प्रतिदिन	एमटी	***	***	***	***

59. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि उत्पादकता प्रति कर्मचारी और उत्पादकता प्रतिदिन में वर्ष 2012-13 तक वृद्धि हुई और फिर जांच की अवधि में उक्त अवधि में उत्पादन की प्रवृत्ति के अनुरूप ही गिरावट आई है।

च) मालसूची

60. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के मालसूची स्तर की जांच की है जो अधोलिखित तालिका में दी गई है:

विवरण	यूनिट	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवधि
औसत स्टॉक	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	110	209	246

61. उपर्युक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की मालसूची में क्षति अवधि में भारी वृद्धि हुई।

छ) पाटन की मात्रा

62. पाटन की मात्रा, उस सीमा के संकेतक के रूप में जिस सीमा तक पाटित आयात घरेलू उद्योग को क्षति कारित करते हैं दर्शाती है कि संबद्ध देश के विरुद्ध प्राधिकारी द्वारा निर्धारित पाटन मार्जिन न्यूनतम से अधिक एवं महत्वपूर्ण है।

ज) पूंजी उगाहने की क्षमता

63. आवेदक ने यह तर्क दिया है कि मौजूदा हालात में, जहां उत्पाद निरंतर पाटन के कारण सतत निष्पादन नहीं कराया रहा है, किसी नवीन निवेश की परिकल्पना भी नहीं की जा सकती है।

झ) वृद्धि

64. घरेलू उद्योग की वृद्धि के संबंध में स्थिति निम्नवत है :

विवरण	यूनिट	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवधि
उत्पादन	%	-	7.31	23.13	-10.51
घरेलू बिक्री	%	-	9.60	19.85	-0.44

मालसूची	%	-	10.46	89.44	17.63
प्रति एमटी लाभ	%	-	-29.10	-69.18	-54.14
निवेश पर प्रतिलाभ (एनएफए)	%	-	-5%	-21%	-6%

65. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि यद्यपि घरेलू उद्योग के उत्पादन और घरेलू बिक्री में क्षति अवधि में वृद्धि हुई है। तथापि, जांच अवधि में यह वृद्धि ऋणात्मक थी। जांच की अवधि में मालसूची में भारी वृद्धि हुई। लाभ एवं निवेश पर प्रतिलाभ जैसे कीमत पैरामीटर्स ने ऋणात्मक वृद्धि प्रदर्शित की है।

अ) घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

66. संबद्ध देश तथा अन्य देशों से आयात कीमतों की जांच, लागत ढांचे में परिवर्तन, घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धा, पाटित आयातों के अलावा वे अन्य कारण जिनका घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव पड़ता है, दर्शाते हैं कि पाटनरोधी शुल्क के बिना, संबद्ध देश से आयातित माल का उतराई मूल्य घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत और गैर-क्षतिकारी कीमत की तुलना में बहुत कम था जिसके कारण भारतीय बाजार में भारी कीमत अधोरदन एवं कीमत अधोविक्रयण हुआ। यह भी नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तु वस्तु की मांग क्षति अवधि में भारी वृद्धि प्रदर्शित कर रही थी और इसलिए यह घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाला एक कारक नहीं हो सकता है। अतः, घरेलू कीमतों का प्रभावित करने वाला प्रधान कारक संबद्ध देश तथा अन्य पाटनकर्ता देशों से संबद्ध वस्तु का उतराई मूल्य ही है।

च.5 अन्य ज्ञात कारक एवं कारणात्मक संबंध

67. प्राधिकारी ने यह जांच की गई है कि क्या अन्य ज्ञात कारण घरेलू उद्योग को क्षति कारित कर सकते हैं, जो निम्नवत है :

क) उन आयातों की मात्रा एवं कीमत जिनकी बिक्री पाटित कीमतों पर की गई

68. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि मेशज़रिंग टेप्स का आयात, संबद्ध देश के अलावा ताईवान, थाइलैंड, वियतनाम और मलेशिया से भारी मात्रा में एवं कम कीमतों पर हुआ है। प्राधिकारी को इन देशों से आयातों पर पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने के लिए याचिका प्राप्त हुई है। प्राधिकारी इन देशों से आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच प्रारंभ करने के लिए गुणावगुणों की जांच कर रहा है। यह याचिका प्रथम दृष्टया यह दर्शाती है कि इन स्रोतों से इस विचाराधीन उत्पाद के आयात पाटित कीमतों पर किए गए हैं। इस विचाराधीन उत्पाद के अन्य सभी देशों से आयात या तो कम मात्रा में हुए हैं या उच्च कीमतों पर हुए हैं और वे घरेलू उद्योग को क्षति कारित नहीं कर रहे हैं।

ख) मांग में संकुचन और/या खपत की प्रणाली में परिवर्तन

69. प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस उत्पाद की मांग में क्षति अवधि के दौरान, जांच की अवधि के दौरान हल्की सी गिरावट को छोड़कर, वृद्धि हुई। तथापि इस विचाराधीन उत्पाद की मांग में आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान वृद्धि हुई। अतः, मांग में गिरावट घरेलू उद्योग को क्षति कारित नहीं कर सकती है। इसके अतिरिक्त, प्राधिकारी को इस उत्पाद की खपत की प्रणाली में परिवर्तन का कोई साक्ष्य नहीं मिला।

ग) घरेलू एवं विदेशी उत्पादकों की व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रक्रियाएं और उनके बीच प्रतिस्पर्धा

70. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तुएं मुक्त रूप से आयात योग्य हैं और घरेलू बाजार में कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रक्रिया नहीं है। इसके अतिरिक्त, घरेलू उत्पादकों के बीच, इसके सिवाय कि एक स्पष्ट बाजार अर्थव्यवस्था है, कोई बोधगम्य प्रतिस्पर्धा नहीं है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति कारित हुई हो। यह नोट किया जाता है कि इस संबद्ध वस्तु के लिए केवल एक ही बाजार है जहां संबद्ध देश के पाटित आयात घरेलू उद्योग द्वारा आपूरित संबद्ध वस्तु के साथ प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धा करते हैं। यह भी नोट किया जाता है कि आयातित संबद्ध वस्तु और घरेलू रूप से उत्पादित संबद्ध वस्तु दोनों समान वस्तुएं हैं और उनका प्रयोग समान अनुप्रयोग/अंतिम प्रयोगों के लिए किया जाता है। घरेलू उत्पादकों और विदेशी उत्पादकों के बीच कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रक्रिया या प्रतिस्पर्धा नहीं है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति कारित हो रही हो।

71. आवेदक ने दावा किया है कि घरेलू उद्योग को परस्पर प्रतिस्पर्धा के कारण क्षति नहीं हुई है। प्राधिकारी रिकार्ड में उपलब्ध सूचना से यह नोट करते हैं कि (क) याचिकाकर्ता और समर्थनकर्ता फ्रीमेन्स मेशज़र्स की सर्वोच्च बिक्री मात्रा ("मुख्य समर्थनकर्ता") ने समान प्रवृत्ति प्रदर्शित की है; (ख) याचिकाकर्ता और समर्थनकर्ता दोनों की बिक्री में जांच की अवधि में तब भारी गिरावट आई जब इन तृतीय देशों से आयातों में जांच की अवधि में भारी वृद्धि हुई; (ग) याचिकाकर्ता और समर्थनकर्ता दोनों के बाजार हिस्से में गिरावट आई है। ऐसी स्थिति में जहां घरेलू उद्योग को क्षति मुख्य समर्थनकर्ता के कारण हुई हो, वहां

समर्थनकर्ता के निष्पादन में सुधार होना चाहिए और याचिकाकर्ता के निष्पादन में गिरावट होनी चाहिए। तथापि, इस मामले में मुख्य समर्थनकर्ता की बिक्री और बाजार हिस्से में भी गिरावट आई है। यह भी नोट किया जाता है कि संपूर्ण क्षति अवधि में समर्थनकर्ता अपनी उच्चतम मात्रा के साथ और याचिकाकर्ता दोनों ही बाजार स्थल में मौजूदगी रही है। अतः, संपूर्ण क्षति अवधि में परस्पर प्रतिस्पर्धा बनी रही और इसलिए घरेलू उद्योग के निष्पादन में दावाकृत गिरावट परस्पर प्रतिस्पर्धा के कारण नहीं आई होगी। यह वह स्थिति है जहां विगत में मुख्य समर्थनकर्ता के साथ कोई प्रतिस्पर्धा नहीं थी और वर्तमान जांच अवधि में मुख्य समर्थनकर्ता के साथ प्रतिस्पर्धा है।

घ) प्रौद्योगिकी में विकास

72. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पाद या उसके विनिर्माण के संबंध में प्रौद्योगिकी में ऐसा कोई विकास नहीं हुआ है जिसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो।

ड.) निर्यात निष्पादन

73. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग इस उत्पाद का निर्यात तो करती है। तथापि, घरेलू प्रचालनों के लिए क्षति से संबंधित सूचना की यथासंभव सीमा तक पृथक् रूप से जांच की गई। इसलिए घरेलू उद्योग के निर्यात निष्पादन में कोई भी गिरावट निर्धारित की गई क्षति का संभावित कारण नहीं है।

च) घरेलू उद्योग की उत्पादकता

74. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की उत्पादकता में उत्पादन में वृद्धि के अनुरूप वृद्धि हुई है। अतः उत्पादकता में गिरावट निर्धारित क्षति का एक कारक नहीं हो सकती है।

छ) अन्य उत्पादों का निष्पादन

75. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन और बिक्री किए जा रहे अन्य उत्पादों का निष्पादन क्षति का एक संभावित कारण नहीं हो सकता है क्योंकि इस जांच में समान वस्तु के संबंध में सभी पैरामीटरों की जांच की गई है।

76. प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालने का प्रस्ताव करते हैं कि ऐसा प्रतीत होता है कि ऊपर सूचीबद्ध अन्य ज्ञात कारकों से निर्धारित क्षति कारित नहीं की गई है, तथापि निम्नलिखित पैरामीटर्स यह दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग को क्षति चीन से पाटित आयातों द्वारा ही कारित की गई है :

- (i) संबद्ध देश से पाटित आयात संपूर्ण क्षति अवधि के दौरान जारी रहे हालांकि उनकी मात्रा में गिरावट आई।
- (ii) संबद्ध आयात घरेलू कीमतों से कम कीमतों पर किए जा रहे हैं। यदि पाटनरोधी शुल्क की निरंतरता को समाप्त कर दिया जाता है तो पाटित आयातों में वृद्धि होने और उनके परिणामस्वरूप क्षति होने की संभावना है।
- (iii) चीन के उत्पादकों के पास उपलब्ध क्षमता और उनकी निर्यातोन्मुखता से यह सुझाव मिलता है कि यदि पाटनरोधी शुल्क को समाप्त कर दिया जाता है तो पाटित आयातों की मात्रा में वृद्धि होगी।
- (iv) आयातों से पाटनरोधी शुल्क के अभाव में घरेलू कीमतों का अधोरदन होगा। घरेलू उद्योग बाजार में कीमत निग्रहण का पहले से ही सामना कर रहा है। इसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट आई है, इसमें, यदि पाटनरोधी शुल्क को समाप्त कर दिया जाता है तो, और भी अधिक वृद्धि होगी।
- (v) घरेलू उद्योग के निष्पादन में लाभ, निवेश पर प्रतिलाभ और नकद लाभ जैसे पैरामीटरों के संबंध में कीमत निग्रहण के परिणामस्वरूप गिरावट आई है।
- (vi) पाटनरोधी शुल्क के अभाव में इस संभावना से इन्कार नहीं किया जा सकता है कि पाटन और उसके परिणामस्वरूप क्षति की निरंतरता बने रहने की संभावना है जैसाकि पाटन एवं उसके परिणामी क्षति की निरंतरता की संभावना की जांच से स्पष्ट है।

च.6 क्षति संबंधी निष्कर्ष एवं कारणात्मकता

77. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क प्रभावी होने के परिणामस्वरूप संबद्ध देश से पाटित आयातों की मात्रा में कमी आई है और घरेलू उद्योग को नए स्रोतों से स्पष्ट नवीन पाटन का सामना करना पड़ रहा है। घरेलू उद्योग के उत्पादन और उसकी बिक्री में वर्ष 2012-13 तक वृद्धि हुई और तत्पश्चात जांच की अवधि में इसमें गिरावट आई। लाभ से संबंधित सभी पैरामीटरों ने क्षति अवधि के दौरान भारी गिरावट प्रदर्शित की है। लाभ, नकदी प्रवाह और निवेश पर प्रतिलाभ में भारी

गिरावट आई है। जांच की अवधि में मालसूची में भारी वृद्धि हुई। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग को मौजूदा अवधि में भारी नुकसान उठाना पड़ा है।

च.7 पाटन एवं क्षति की निरंतरता/पुनरावृत्ति होने की संभावना

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण

78. घरेलू उद्योग ने पाटन एवं क्षति की निरंतरता/पुनरावृत्ति होने की संभावना के संबंध में निम्नलिखित प्रस्तुतिकरण किए हैं :

- (i) चीन जन.गण. से इस विचाराधीन उत्पाद का लगातार पाटन हुआ है। यदि वर्तमान पाटनरोधी शुल्क को हटा लिया जाता है तो इस विचाराधीन उत्पाद की पाटन की निरंतरता बने रहने की संभावना और भी अधिक बढ़ जाएगी।
- (ii) संबद्ध देश के उत्पादकों और निर्यातकों ने, पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण होने के पश्चात भी पाटित कीतों पर इस सामग्री का निर्यात जारी रखा।

जांच की प्रकृति	पाटन मार्जिन (%)	
टेप्स का प्रकार	स्टील	फाइबर ग्लास
मूल जांच	***	***
प्रथम निर्णायक समीक्षा जांच की रेंज	275 से 325%	625 से 675%

- (iii) संबद्ध देश से पारित आयात पाटनरोधी शुल्क के अभाव में भारी कीमत अधोदहन कारित करेंगे।
- (iv) पाटनरोधी शुल्क के अभाव में संबद्ध देश से आयातों की उतराई कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री लागत और बिक्री कीमत से बहुत कम होगी। इसलिए, यह उत्पादक पाटनरोधी शुल्क को समाप्त कर देने की स्थिति में भारतीय बाजार को आक्रामक रूप से अपना लक्ष्य बनाएंगे।
- (v) संबद्ध देश के निर्यातकों की क्षमता भारतीय मांग की तुलना में बहुत अधिक है।

क्र.सं.	नाम	क्षमता/उत्पादन
1	निंग्बो होंगडी मेशज़रिंग टेप इंडस्ट्रीज कंपनी	4,000,000 नग/प्रतिमाह
2	निंग्बो असिस्ट टूल्स कंपनी लिमिटेड	4500,000 नग/प्रतिमाह
3	बाओफेंग टूल्स एंड मेशज़रिंग टूल्स कंपनी लिमिटेड	500,000 नग/प्रतिमाह
4	हिनान बोथे मेशज़रिंग टूल्स कंपनी लिमिटेड	100,000 नग/प्रतिमाह
5	युचेंग जिंगहांग मेशज़रिंग टूल्स कंपनी लिमिटेड	300,000 नग/प्रतिमाह
6	फोशंग जोगिशआन मेशज़रिंग टूल्स कंपनी लिमिटेड	1,000,000 नग/प्रतिमाह

- (vi) पूर्ववर्ती जांच एवं वर्तमान याचिका में निर्धारित पाटन मार्जिन बहुत अधिक है और यह स्पष्टतः दर्शाता है कि यदि पाटनरोधी शुल्क को समाप्त कर दिया जाता है तो पाटन एवं उसके परिणामस्वरूप होने वाली क्षति की पूर्ण संभावना है।
- (vii) पाटनरोधी शुल्क को समाप्त कर देने से भारी कीमत निग्रहण एवं कीमत अवमंदन प्रभाव होगा।

- (viii) घरेलू उद्योग पाटित आयातों से होने वाली क्षति के प्रति संवेदनशील है। संबद्ध देश से पाटन मार्जिन को वर्तमान स्तर से इस बात की पूर्ण संभावना है कि यदि वर्तमान शुल्क को समाप्त कर दिया जाता है तो भारतीय बाजार में संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु का भारी मात्रा तीव्रीकरण होगा; क्योंकि संबद्ध देश के पास भारी क्षमताएं हैं।
- (ix) विदेशी उत्पादक निर्यातों पर भारी प्रकाश डालते हैं। पाटनरोधी शुल्क को समाप्त कर देने की स्थिति में ऐसी संभावना है कि यह निर्यात भारत में पाटित कीमतों पर अपना निर्यात बढ़ाएंगे।

क्र.सं.	कंपनी का नाम	निर्यातोन्मुखता
1	शान्क्शी युआन हाग मशीनरी इक्विपमेंट इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कारपोरेशन लिमिटेड	91% - 100%
2	निंग्बो असिस्ट टूल्स कंपनी लिमिटेड	81%-90%
3	बाओफेंग टूल्स एंड मेशज़रिंग टूल्स कंपनी लिमिटेड	51% - 60%
4	हिनान बोंथे मेशज़रिंग टूल्स कंपनी लिमिटेड	71%-80%
5	युचेंग जिंग्हांग मेशज़रिंग टूल्स कंपनी लिमिटेड	91%-100%
6	फोशंग जोग्शिआन मेशज़रिंग टूल्स कंपनी लिमिटेड	11%-20%

- (x) यदि मौजूदा पाटनरोधी शुल्क को समाप्त कर दिया जाता है और यदि घरेलू उद्योग आयात कीमतों पर बिक्री करने का निश्चय करता है तो घरेलू उद्योग को भारी वित्तीय घाटा होगा। निवेश पर प्रतिलाभ और नकदलाभ दोनों पहले से ही बहुत कम हैं और उनमें भारी गिरावट आ जाएगी।
- (xi) शुल्क का अधिरोपण करने के पश्चात आयातों में गिरावट और इन आयातों में सकारात्मक पाटन मार्जिन शुल्क की समाप्ति की स्थिति में पाटित होने की संभावना प्रदर्शित करता है और इससे पाटनरोधी शुल्क में विस्तार करना युक्तियुक्त ठहराता है।
- (xii) एक निर्णायक समीक्षा जांच में जांच की अवधि के दौरान रिपोर्ट किए गए आयातों की न्यून मात्रा को देखते हुए पाटनरोधी शुल्क की निरंतरता बनाई रखी जा सकती है। कई ऐसे उदाहरण हैं जहां विदेशी प्राधिकारियों ने प्रथम एवं उत्तरवर्ती निर्णायक समीक्षा जांचों में पाटनरोधी शुल्क की निरंतरता बहाल की है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

79. वर्तमान जांच चीन से मेशज़रिंग टेप्स के आयातों पर पहले से अधिरोपित पाटनरोधी शुल्क की एक निर्णायक समीक्षा है। नियमावली के अंतर्गत प्राधिकारी को यह जांच करना अपेक्षित होता है कि क्या पाटनरोधी शुल्क का सतत अधिरोपण करना न्याय संगत है। उन्हें इस बात पर भी विचार करना अपेक्षित होता है कि क्या अधिरोपित शुल्क क्षतिकारी पाटन का उपशमन करने का आशयित प्रयोजन पूरा कर रहा है। इस मामले में, पाटित आयातों की निरंतरता बनी हुई है, इसलिए प्राधिकारी को यह जांच करना अपेक्षित होगा कि क्या पाटनरोधी शुल्क को समाप्त कर देने से इस उत्पादन के पाटन की निरंतरता बने रहने की संभावना है। संबद्ध देश के निर्यातक और उत्पादक संबद्ध वस्तु का पाटित कीमतों पर निर्यातक कर रहे हैं। पूर्ववर्ती जांच में भी पाटन मार्जिन बहुत अधिक था। ऐसी स्थिति में, प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कोई कारण प्रतीत नहीं होता है कि शुल्क को समाप्त कर देने पर पाटन में तीव्रता नहीं आएगी।

मौजूदा एवं पिछले पाटन मार्जिन का स्तर

80. प्राधिकारी द्वारा पिछली जांच में निर्धारित पाटन मार्जिन और इस समय आकलित पाटन मार्जिन पर विचार करते हुए यह बिल्कुल स्पष्ट है कि आयात पाटित कीमतों पर होना जारी रहे और यदि पाटनरोधी शुल्क को समाप्त कर दिया जाता है तब भी उनकी निरंतरता बने रहने की संभावना है। चूंकि पाटनरोधी शुल्क प्रभावी होने के परिणामस्वरूप क्षति अवधि में

आयातों की मात्रा में गिरावट आई है तथापि, बाजार में बढ़ते पाटन के मद्देनजर घरेलू उद्योग को इस विचाराधीन उत्पाद के वित्तीय निष्पादन में गिरावट का सामना करना पड़ा है। पाटनरोधी शुल्क को समाप्त कर दिए जाने की स्थिति में संबद्ध देश से आयातों की मात्रा में भारी वृद्धि होने तथा पाटनरोधी शुल्क के अभाव में भारी कीमत अधोरदन तथा कीमत अधोविक्रयण प्रभाव के कारण घरेलू उद्योग को भारी वित्तीय घाटा होगा।

भारतीय बाजार की कीमत आकर्षता

81. वह कीमत जिसपर चीन जन.गण. द्वारा संबद्ध वस्तु का निर्यात किया जा रहा है, घरेलू उद्योग को पाटन एवं क्षति की निरंतरता बने रहने ही निरंतरता बने रहने की पूरी संभावना है। पाटनरोधी शुल्क के बिना भारत में भारी कीमत अधोरदन हुआ। इस प्रकार पाटनरोधी शुल्क को समाप्त कर दिए जाने की स्थिति में भारत में उतराई कीमत पर भारी कीमत अधोरदन रहा है। अतः पाटनरोधी शुल्क समाप्त कर दिए जाने की स्थिति में भारतीय कीमतें इन निर्यातकों के लिए बहुत आकर्षक हो जाएंगी और इस बात की भारी संभावना है कि भारतीय उपभोक्तागण इसका पर्याप्त मात्रा में आयात करेंगे।

संबद्ध देश में भारी क्षमताएं

82. रिकार्ड में उपलब्ध सूचना के अनुसार, चीन के उत्पादकों की भारी क्षमताएं हैं। पाटनरोधी शुल्क को समाप्त कर दिए जाने की स्थिति में इस बात की पूरी संभावना है कि यह उत्पादक संबद्ध वस्तु का पाटन और अधिक तेज कर देंगे।

पाटन एवं क्षति की संभावना संबंधी निष्कर्ष

83. इस तथ्य पर विचार करते हुए कि पाटनरोधी शुल्क मौजूद होने के बावजूद संबद्ध देश से पाटित आयातों की निरंतरता बनी रही है और यदि पाटनरोधी शुल्क को समाप्त कर दिया जाता है तो पाटन एवं घरेलू उद्योग को क्षति की तीव्रता होने की संभावना और भी अधिक प्रबल हो जाएगी। पुनः यह नोट किया जाता है कि आयात कीमतें घरेलू कीमतों का अधोरदन करेंगी और उनका घरेलू कीमतों पर भारी निग्रहण प्रभाव होगा।

छ. क्षति मार्जिन एवं क्षति की मात्रा

84. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की गैर-क्षतिकारी कीमत का निर्धारण घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत पर विचार करते हुए किया है। घरेलू उद्योग की इस गैर-क्षतिकारी कीमत की तुलना क्षति मार्जिन का निर्धारण करने के लिए संबद्ध देश से संबद्ध आयातों के उतराई मूल्य से की गई है। क्षति मार्जिन का निर्धारण निम्नवत किया गया है :

क्षति मार्जिन तालिका

		स्टील मेशज़रिंग टेप्स	फाइबर ग्लास के मेशज़रिंग टेप्स
घरेलू उद्योग की गैर-क्षतिकारी कीमत	यूएस डालर/ किग्रा	***	***
उतराई मूल्य	यूएस डालर/किग्रा	***	***
कीमत अधोविक्रयण	यूएस डालर/किग्रा	***	***
कीमत अधोविक्रयण	%	***	***
रेंज	%	100-130	40-50

85. यह नोट किया जाता है कि यथानिर्धारित क्षति मार्जिन का स्तर बहुत अधिक है।

च. भारतीय उद्योग का हित

86. सामान्य रूप से पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य पाटन के अनुचित व्यापार व्यवहार द्वारा घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति का प्रशमन करना है और भारतीय बाजार में मुक्त एवं पक्षकार रहित प्रतिस्पर्धा की स्थिति पुनः स्थापित करना है जो देश के सामान्य हित में हैं। प्राधिकारी यह मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने से इन उत्पादों की कीमत स्तर पर प्रभाव पड़ सकता है जिनका विनिर्माण संबद्ध वस्तु का प्रयोग करके किया जाता है और इसके परिणामस्वरूप इन उत्पादों की संगत प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है। तथापि, पाटनरोधी उपाय से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा में किसी तरह की कमी नहीं आएगी। इसके विपरीत, पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण पाटन प्रक्रियाओं द्वारा अर्जित अनुचित लाभ को दूर कर देगा, घरेलू उद्योग के निष्पादन में आई कमी को दूर करेगा, और उपभोक्ताओं को संबद्ध वस्तु के व्यापक विकल्प की उपलब्धता बनाए रखने में सहायता करेगा। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने से संबद्ध

देशों से आयात किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं होगी, और इसलिए, इससे उपभोक्ताओं को संबद्ध वस्तु की उपलब्धता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। उपभोक्ता इस वस्तु की आपूर्ति के एक या दो स्रोत अभी भी बनाए रख सकते हैं।

छ. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रकटन पश्चात विवरण प्रस्तुतिकरण

छ.1 विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किया गया प्रकटन पश्चात विवरण प्रस्तुतिकरण

87. किसी भी निर्यातक/आयातक/प्रयोक्ता और अन्य विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकार ने प्रकटन पश्चात विवरण प्रस्तुतिकरण नहीं किया है।

छ.2 घरेलू उद्योग द्वारा प्रकटन पश्चात किया गया विवरण प्रस्तुतिकरण

88. घरेलू उद्योग द्वारा प्रकटन पश्चात किए गए विवरण प्रस्तुतिकरण संक्षेप में निम्नलिखित हैं :

- क. प्राधिकारी ने चीन के सभी निर्यातकों को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति के अंतर्गत प्रचालन करते हुए के रूप में सही ही मानने का प्रस्ताव किया है क्योंकि चीन जन.गण. के किसी भी निर्यातक ने इस जांच में न तो कोई प्रत्युत्तर दिया और न ही बाजार अर्थव्यवस्था उपचार का दावा किया है।
- ख. सामान्य मूल्य का निर्धारण उत्पादन की संरचित लागत पर विचार करते हुए किया गया है।
- ग. जांच के भारी पाटन की मौजूदगी सिद्ध हुई है।
- घ. पाटनरोधी शुल्क प्रभावी होने के बावजूद संबद्ध देश से इस उत्पाद के पाटित कीमतों पर आयात जारी रहे।
- ङ. क्षति अवधि में इसकी मांग में बढ़ने की प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है।
- च. घरेलू उद्योग को चीन के अलावा अन्य कई देशों से पाटन का सामना करना पड़ रहा है। घरेलू उद्योग ने इस विचाराधीन उत्पाद के ताईवान, थाईलैंड, मलेशिया और वियतनाम से आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच प्रारंभ करने की मांग करते हुए याचिका दायर कर रखी है। उक्त याचिका जांच प्रारंभ करने का निर्णय लेने के लिए प्राधिकारी के समक्ष लंबित है।
- छ. चीन ने आयातों में वर्ष 2012-13 तक गिरावट आई और तत्पश्चात जांच की अवधि में इसमें वृद्धि हुई।
- ज. चीन से हुए आयातों की मात्रा तृतीय देशों से हुए पाटित आयातों की मात्रा की तुलना में बहुत कम है, जिससे यह सिद्ध होता है कि चूंकि आयातकों की पहुंच तृतीय देशों से पाटित आयातों तक है इसलिए आयातकों ने चीन से आयात न करके तृतीय देशों से आयात किया।
- झ. आयातों की उतराई कीमत घरेलू उद्योग की लागत और बिक्री कीमत से पर्याप्ततः कम है। यद्यपि इस अवधि में उत्पादन लागत और बिक्री कीमत दोनों में ही वृद्धि हुई है तथापि बिक्री कीमत में हुई यह वृद्धि उत्पादन लागत में हुई वृद्धि की तुलना में कम है।
- ञ. मौजूदा एवं नए स्रोतों से पाटित आयात घरेलू उद्योग की कीमतों का निग्रहण कर रहे हैं और उन कीमतों में वृद्धि होने से रोक रहे हैं जिनमें अन्यथा भारी मात्रा में वृद्धि हुई होती।
- ट. उत्पादन और बिक्री मात्रा में वृद्धि केवल इस कारण से हुई है कि घरेलू उद्योग ने उस कीमत क्षति का मुकाबला करने का प्रयास किया जिसे वह बिक्री बढ़ाकर भी सहन कर रहा था, हालांकि यह बिक्रियां निग्रहित कीमत पर की गईं।
- ठ. लाभ, निवेश पर प्रतिलाभ और नकदी प्रवाह के रूप में घरेलू उद्योग के निष्पादन में भारी गिरावट आई है।
- ड. कीमत पैरामीटरों के रूप में घरेलू उद्योग का विकास विपरीत है।
- ढ. मौजूदा जांच की अवधि में पाटन मार्जिन एवं क्षति मार्जिन दोनों ही भारी एवं सकारात्मक है।
- ण. प्रचलित पाटनरोधी शुल्क के बिना कीमत अधोरदन सकारात्मक एवं बहुत अधिक है।

- त. पाटनरोधी शुल्क के बिना आयात कीमत वास्तविक रूप में घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम है। इसलिए, यदि पाटनरोधी शुल्क को समाप्त कर दिया जाता है तो उपभोक्तागण आयातित उत्पाद की ओर आकृष्ट होंगे जिससे इस उत्पाद के आयातों में भारी वृद्धि होगी।
- थ. यदि मौजूदा पाटनरोधी शुल्क को समाप्त कर दिया जाता है तो आयातों में भारी वृद्धि होने की संभावना है।
- द. पाटनरोधी शुल्क को समाप्त कर देने की स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षति होने की संभावना है।
- ध. पाटनरोधी शुल्क की निरंतरता बनाए रखना अपेक्षित है।
- न. शुल्क की सिफारिश यूएस डालर रूप में नियत राशि आधार पर की जा सकती है।

छ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

89. प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि घरेलू उद्योग के उपर्युक्त सभी तर्क पुनरावृत्तिक हैं और उनका प्रकटन विवरण में पहले ही निराकरण कर दिया गया है और उनका इस अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना में भी उपयुक्त शीर्षकों के अंतर्गत समाधान कर दिया गया है।

ज. निष्कर्ष

90. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि चीन जन.गण. के किसी निर्यातक और भारत में किसी आयातक/प्रयोक्ता तथा अन्य विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकारों ने इस जांच में भाग नहीं लिया अर्थात् उन्होंने न तो जांच शुरूआत पश्चात विवरण प्रस्तुतिकरण किया और न ही उन्होंने मौखिक सुनवाई में भाग लिया और न ही उन्होंने प्रकटन पश्चात विवरण प्रस्तुतिकरण किया। घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरणों और उनमें उठाए गए मुद्दों और प्रदान कराई गई सूचना और प्राधिकारी के समक्ष रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों और पाटन एवं क्षति की निरंतरता की स्थिति और पाटन एवं क्षति की निरंतरता के विश्लेषण और घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रकटन पश्चात विवरण प्रस्तुतिकरण को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि :

- क. चीन जन.गण. से इस विचाराधीन उत्पाद का निरंतर पाटन हुआ है। यह पाटित आयात देश में पाटनरोधी शुल्क लगे होने के बावजूद भी आना जारी रहें।
- ख. पाटित आयात घरेलू उद्योग को क्षति कारित कर रहे हैं।
- ग. इस विचाराधीन उत्पाद के लिए चीन के उत्पादकों के पास भारी क्षमताएं हैं और उनकी भारी निर्यातोन्मुखता है। यदि पाटनरोधी शुल्क का प्रतिसंहरण कर लिया जाता है तो इस विचाराधीन उत्पाद का संबद्ध देश से पाटन तीव्र होने की संभावना है। अतः यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि पाटनरोधी शुल्क का प्रतिसंहरण कर दिए जाने की स्थिति में पाटन एवं क्षति की संभावना बनी रहेगी।
- घ. अतः, प्राधिकारी घरेलू उद्योग को संभावित क्षति दूर करने के लिए संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर निर्णायक पाटनरोधी शुल्क की निरंतरता बनाए रखने की सिफारिश करना जरूरी समझते हैं।

झ. सिफारिश

91. उपर्युक्त के रूप में निष्कर्ष निकालने के पश्चात प्राधिकारी का यह विचार है कि संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के पाटन और उसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर करने के लिए पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करना अपेक्षित है।

92. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए न्यूनतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन के न्यूनतर के बराबर निर्णायक पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने की सिफारिश करते हैं जिससे कि घरेलू उद्योग की क्षति को दूर किया जा सके। तदनुसार, संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर केंद्रीय सरकार द्वारा निम्नलिखित तालिका में विनिर्दिष्ट राशि के अनुरूप पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण किए जाने की सिफारिश की जाती है।

शुल्क तालिका

क्र.सं.	शीर्षक/ उपशीर्षक	वस्तु विवरण	विनिदेशन	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क राशि	यूनिट	मुद्रा
1.	9017 80 10 अथवा 9017 90 00	मेशज़रिंग टेप	स्टील टेप्स और उसके पार्ट्स एवं उनके संघटक	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	कोई	कोई	2.83	किग्रा	यूएस डालर
2.	9017 80 10 अथवा 9017 90 00	मेशज़रिंग टेप	स्टील टेप्स और उसके पार्ट्स एवं उनके संघटक	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. को छोड़कर कोई अन्य	कोई	कोई	2.83	किग्रा	यूएस डालर
3.	9017 80 10 अथवा 9017 90 00	मेशज़रिंग टेप	स्टील टेप्स और उसके पार्ट्स एवं उनके संघटक	चीन जन.गण. को छोड़कर कोई अन्य	चीन जन.गण.	कोई	कोई	2.83	किग्रा	यूएस डालर
4.	9017 80 10 अथवा 9017 90 00	मेशज़रिंग टेप	फाइबर ग्लास टेप्स और पार्ट्स तथा उनके संघटक	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	कोई	कोई	1.33	किग्रा	यूएस डालर
5.	9017 80 10 अथवा 9017 90 00	मेशज़रिंग टेप	फाइबर ग्लास टेप्स और पार्ट्स तथा उनके संघटक	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. को छोड़कर कोई अन्य	कोई	कोई	1.33	किग्रा	यूएस डालर
6.	9017 80 10 अथवा 9017 90 00	मेशज़रिंग टेप	फाइबर ग्लास टेप्स और पार्ट्स तथा उनके संघटक	चीन जन.गण. को छोड़कर कोई अन्य	चीन जन.गण.	कोई	कोई	1.33	किग्रा	यूएस डालर

93. इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ आयातों का उतराई मूल्य वहीं होगा जो सीमाशुल्क द्वारा सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) के अंतर्गत कर निर्धार्य है। और इसमें उक्त अधिनियम की धारा 2, 3क, 8ख, 9 और 9क के अंतर्गत शुल्कों के सिवाय अन्य सभी सीमाशुल्क शामिल होंगे।

94. इस आदेश के विरुद्ध सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद कर और सेवा कर अपीलीय अधिकरण में अपील की जा सकती है।

जे. के. दादू, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**New Delhi, the 5th May, 2015**(Final Findings)**

Subject: Sunset Review of anti-dumping duty imposed on the imports of Measuring Tapes originating in or exported from China PR.

No. 15/9/2014-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules 1995 thereof (hereinafter referred to as the Rules or the AD Rules):

A. BACKGROUND OF THE CASE

2. WHEREAS, the Designated Authority (hereinafter also referred so to the Authority) had initiated an investigation concerning imports of “Measuring Tapes” (hereinafter also referred so to the subject goods), originating in or exported from China PR (hereinafter also referred so to the subject country), was earlier initiated by the Authority vide Notification No. 14/31/2002-DGAD dated 23.10.2002. The Authority issued Final Findings vide Notification No. 14/31/2002-DGAD dated 1st September 2003, and the definitive anti-dumping duty was imposed by the Central Government vide Notification No. 147/2003-Customs dated 7th October 2003 on the imports of the subject goods, originating in or exported from the subject country.
3. Whereas, in terms of the Act, the anti dumping duty imposed shall unless revoked earlier, cease to have effect on the expiry of five years from the date of such imposition.
4. And, notwithstanding the above provision, the Authority is required to review, on the basis of a duly substantial request made by or on behalf of the domestic industry within a reasonable period of time prior to the date of the expiry of the measure, as to whether the expiry of duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury.
5. And, whereas, in terms of the above provisions, at the request of M/s FMI Ltd and M/s Freemans Measures Ltd, Sunset Review investigation was initiated by the Authority in respect of the imports of the subject goods, originating in or exported from the subject country, vide Notification No 15/2/2008-DGAD dated 31st March 2008. The Authority vide its Final Finding Notification No.15/2/2008 -DGAD dated 27th March, 2009, recommended continued imposition of the anti-dumping duties on the imports of the subject goods originating in or exported from the subject country and the Central Government vide its Notification No. 49/2009-Customs dated 15th May 2009 extended the anti-dumping duty on the imports of the subject goods originating in or exported from the subject country.
6. WHEREAS, M/s FMI Limited (hereinafter also referred to as the applicant or the petitioner or the domestic industry) filed a duly substantiated application before the Authority in accordance with the Act and the Rules, alleging likelihood of continuation of dumping of the subject goods, originating in or exported from the subject country and consequent injury to the domestic industry and requested for review, continuation and enhancement of the anti-dumping duty, imposed on the imports of the subject goods, originating in or exported from the subject country.
7. In view of the duly substantiated application filed on behalf of the domestic industry and in accordance with Section 9A(5) of the Act read with Rule 23 of the Anti-dumping Rules, the Authority initiated a second sunset review investigation vide Notification No. 15/9/2014-DGAD dated 9th May, 2014 to review the need for continued imposition of the anti dumping duties in force in respect of the subject goods, originating in or exported from the subject country and to examine whether the expiry of such duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry. The validity of the anti-dumping duty on the imports of the subject goods originating in or exported from the subject country has been extended up to 14th May, 2015 by the Central Government vide Notification No 29/2014-Customs (ADD) dated 4th July, 2014.

8. The scope of the present review covers all aspects of the previous investigations concerning imports of the subject goods, originating in or exported from the subject country.

B. PROCEDURE

9. The procedure described below has been followed in this investigation:

(i) The Authority notified the Embassy of the subject country in India about the receipt of application alleging dumping of the subject goods originating in or exported from the subject country before proceeding to initiate the investigation in accordance with the Anti-dumping Rules.

(ii) The Authority issued a public notice No. 15/9/2014-DGAD dated 9th May 2014, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating sunset review anti dumping investigations concerning imports of the subject goods, originating in or exported from the subject country.

(iii) The Authority forwarded a letter along with copy of the public notice to all the known exporters and other interested parties/industry associations (whose details were made available by the domestic industry) and gave them opportunity to make their views known in writing within the prescribed time limits in accordance with the anti-dumping rules.

(iv) The Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the known exporters of the subject country in accordance with the Anti-dumping Rules. A copy of the application was also made available to other interested parties, upon request.

(v) Copies of the letter and the exporter questionnaires sent to the exporters/ producers in the subject country were also sent to the embassy of the subject country in India along with a list of known exporters/ producers with a request to advise the known exporters / producers from the subject country as also other exporters / producers from the subject country to respond to the questionnaires within the prescribed time limits.

(vi) The Authority sent exporter's questionnaires to elicit relevant information to the following known exporters in the subject country in accordance with the Anti-dumping Rules:

- a. Ningbo Land Tools & Measuring Tools Co Ltd, China
- b. Ningbo Hongdi Measuring Tape Industry Company, China
- c. Shaanxi Yuan Hang Machinery Equipment Import & Export Corp Ltd, China
- d. Cixi Zunbao Steel Tape Company Ltd., China
- e. Yiwu Wudian Great Wall Hardware, China
- f. Baofeng Tools & Measuring Tools Co Ltd., China
- g. Henan Bonthe Measuring Tools Co., Ltd., China
- h. Yucheng Xinghong Measuring Tools Co Ltd., China
- i. Foshan Zongtian Measuring Tools Co Ltd., China

(vii) However, none of the exporters filed response to the exporter's questionnaire or made any other submissions.

(viii) The Authority forwarded a copy of the public notice to the following known importers/users/user associations (whose names and addresses were made available to the authority) of subject goods in India and advised them to make their views known in writing within the time limit prescribed by the Authority in accordance with the Rule 6(4):

- a) Lohia Trade Concern, Delhi
- b) Vinay Brothers, Mumbai
- c) VK International, Mumbai
- d) Fahad Enterprises, Mumbai
- e) Ghanshyam Dass & Sons (Veekay Industries) Veekay Industries, Mumbai
- f) New Wave Industries, Jalandhar

- g) Ashiana Exports Inc., Mumbai
 - h) SK Enterprises, Mumbai
 - i) Sterling Enterprises, Mumbai
 - j) The ASSOCHAM, New Delhi
 - k) FICCI, New Delhi
 - l) Confederation of Indian Industry (CII), New Delhi
 - m) Federation of Indian Export Organizations, New Delhi
 - n) Freemans Measures Ltd, Ludhiana
 - o) Klas Tape Co, Mumbai
 - p) Venus Industrial Corp, Ludhiana
 - q) Ambika Overseas, Jalandhar
- (ix) None of the importers/users filed any responses to the importers questionnaire or made any other submissions.
- (x) The Period of Investigation (POI) for the purpose of the present review was 1st April 2013 to 31st December 2013 (POI). The examination of trends in the context of injury analysis covered the periods 2010-11, 2011-12, 2012-13 and the POI.
- (xi) The domestic industry had submitted the transaction wise data sourced from the secondary source IBIS, Mumbai. The Authority procured the same from the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCIS) as well for comparison. The Authority found that the import volume reported in the IBIS data in the POI was significantly higher (approximately 24 times) than reported in the DGCIS data and, therefore, the Authority has relied upon the IBIS data for the injury analysis in present SSR investigation as has been done by the Authority in various previous investigations in such situations.
- (xii) Exporters, producers and other interested parties who have neither responded to the Authority, nor supplied information relevant to this investigation have been treated as non-cooperating interested parties.
- (xiii) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties as per Rule 6 (7).
- (xiv) The Authority has examined the information furnished by the domestic producer to the extent possible on the basis of guidelines laid down in Annexure III to work out the cost of production and the non-injurious price of the subject goods in India so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.
- (xv) In accordance with Rule 6(6) of the Rules, the Authority provided opportunity to all interested parties to present their views orally in a public hearing held on 10th March, 2015. Only the domestic industry along with its legal counsel presented their views in the oral hearing and was requested to file written submissions of the views expressed orally.
- (xvi) The submissions made by the domestic industry during the course of the investigation and considered relevant by the Authority have been examined and addressed in this investigation.
- (xvii) On the spot verification of the information and data submitted by the domestic industry was carried out to the extent deemed necessary.
- (xviii) Information provided by the interested parties on confidential basis was examined by the Authority with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted, and such information has been considered confidential and not disclosed. Wherever possible, the interested parties were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
- (xix) Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has recorded these essential facts on the basis of the 'facts available' and treated such parties as non-cooperative.

(xx) A Disclosure Statement containing the essential facts in this investigation which would have formed the basis of the Final Findings was issued to the interested parties on 24.04.2015. The post Disclosure Statement submissions were received from the domestic industry only and have been considered, to the extent found relevant, in this Final Findings Notification.

(xxi) *** in this Final Findings Notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.

(xxii) The exchange rate adopted for the POI is 1 US \$ =Rs 60.33.

C. SCOPE OF PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

C.1 Submissions by the Domestic Industry

10. The product being dumped in the Indian market is Measuring Tapes or Tapes. The product under consideration is "Measuring Tapes", its parts and components etc. All types of steel measuring tapes and fibre glass tapes and their parts or components are the subject matter of the present petition.

11. The goods produced by the domestic industry are like article to the subject goods imported in India.

C.2 Submissions made by the producers/exporters/other interested parties

12. None of the other interested parties has responded or raised any issues with respect to the product under consideration and like article.

C.3 Examination by the Authority

13. The product under consideration in the present petition is Measuring Tapes or Tapes. In the original investigation, vide Final Findings Notification No 14/31/2002-DGAD dated 1st September 2003, the Authority considered the description of the product as under:

"5. The product under consideration is "Measuring Tapes", its parts and components etc., all type of steel measuring and fibre glass tapes and their parts or components are the subject matter of the present petition. It is generally used for measuring the length, breadth etc. of an object. It is used by foreman, mason, carpainter, forestry departments and tailors etc. Measuring Tapes are manufactured from tempered high quality carbon steel blade, phosphated and coated with special enamel to withstand corrosion and rust. Measuring tapes are used for: -

- a. high precision professional jobs;*
- b. measuring depth, width, or length of an object;*
- c. contraction and surveys.*

6. In technical terms the measuring tapes are defined in terms of length and width of a tape, raw material used i.e. steel or fibre glass and, finally precision with which dimensions are marked on the tape. It is classified under Chapter 90 of the Customs Tariff Act under sub-headings 9017, 9017.80, 9017.8001, 9017.90. The petitioner has stated that subject goods are being imported under above-mentioned sub-headings. The Custom classification is indicative only and not binding on the scope of investigation."

14. The scope of the product under consideration in the present investigation remains the same as the scope of the product under consideration in the final findings earlier notified.

15. Measuring tapes are classified under Chapter 90 of the Customs Tariff Act under sub-headings 9017, 9017.80, 9017.8010, 9017.90. The petitioner has stated that subject goods are being imported under sub-headings such as 90171000, 90173010, 90173029, 90178010, 90178090, 90189099 etc. The classification is, however, indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation.

16. Further, the applicants submitted that the product manufactured by the domestic industry and the subject goods imported into India from the subject country are like articles within the meaning of the Anti-dumping Rules; that there is no known difference between the subject goods imported from the subject country and that produced by the domestic industry; that the subject goods produced by the domestic industry and imported from the subject country are comparable in terms of essential product characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods; that the consumers can use and are using the two interchangeably and that the two are technically and commercially substitutable.

After examination, the Authority concludes that the subject goods produced by the domestic industry are like article to that imported from the subject country.

D. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY AND STANDING

D.1 Submissions made by the Domestic Industry

17. The Domestic Industry has made the following submissions with respect to the scope of domestic industry and standing:

- (i) The petition has been filed by M/s FMI Limited.
- (ii) Apart from the petitioner, the product under consideration is being produced by other producers who have extended support to the petition. M/s. Freemans Measures Limited, M/s. Klas Tape Co., M/s. Venus Industrial Corpn., M/s. Ambika Overseas and M/s. New Wave Industries India have supported the petition.
- (iii) The production of the petitioner alone constitutes a major proportion of Indian production of the like article. Therefore, the petitioner has sufficient standing to file the present petition on behalf of the Indian domestic industry for the product concerned. Further, petitioner constitutes domestic industry within the meaning of the Rules.

D.2 Submissions made by the producers/exporters/other interested parties

18. None of the other interested parties has responded or raised any issues with respect to the scope of the domestic industry and standing.

D.3 Examination by the Authority

19. The Authority notes that Rule 2(b) of the Anti-dumping Rules provides as follows:

“(b) “domestic industry” means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term ‘domestic industry’ may be construed as referring to the rest of the producers”

20. The Authority notes that the application has been filed by M/s FMI Limited. The Authority further notes that apart from the applicant, M/s. Freemans Measures Limited, M/s. Klas Tape Co., M/s. Venus Industrial Corpn., M/s. Ambika Overseas and M/s. New Wave Industries manufacture the like article in India. All these producers of the subject goods have supported the application.

21. The Authority forwarded a copy of the public notice to these known domestic producers of subject goods in India alongwith prescribed proforma and advised them to provide relevant information for injury determination and make their views known in writing the prescribed time limit. While these companies have supported the petition, these companies have not provided information relevant to injury determination, except that the main supporter M/s Freemans Measures Ltd has provided limited data relating to its capacity, production and sales.

22. However, as per the records available with the Authority, the applicant alone accounts for major share in Indian production in the POI (55.82%). In view of the above position and having regard to the Anti-dumping Rules, the Authority determines that M/s FMI Limited constitutes domestic industry within the meaning of Rule 2(b) of the Anti-dumping Rules, and the petition satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5 of the Rules.

E. NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN

E.1 Submissions by the domestic industry

23. Following are the submissions made by the domestic industry with regard to normal value, export and dumping margin:

- a) China is a non-market economy. No country has granted market economy country status to China.
- b) None of the producers/ exporters from China PR has responded to the exporters’ questionnaire or claimed market economy status.

c) Normal value could not be determined on the basis of price or constructed value in a market economy third country for the reason that the relevant information is not available to the petitioner. Export price from other countries to India cannot be adopted for the reason that import price from other countries could be affected due to imports from the subject country. Therefore, the normal value has been constructed on the basis of cost of production in India, duly adjusted for selling, general & administrative expenses and reasonable profit margin for Steel and Fibre Glass Tapes separately owing to significant cost and price difference between the two types. Further, the major raw material used for production of the two types is also different.

d) The export price has been determined considering the volume and value of imports for the period of investigation as per data released by secondary source, IBIS. The export price has been adjusted for the expenses that may have been incurred by the exporter for exporting the material to India to determine ex-factory export price.

E. 2 Submissions made by the producers/exporters/other interested parties

24. None of the producers/exporters has filed any questionnaire response or legal submission, or has otherwise provided necessary information with respect to normal value, export price or dumping margin.

E. 3 Determination of Normal Value

25. Under section 9A (1) (c), normal value in relation to an article means:

(i) *the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*

(ii) *when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either-*

(a) *comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*

(b) *the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6):*

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

26. At the stage of initiation, the Authority proceeded with the presumption by treating China PR as a non-market economy country. Upon initiation, the Authority advised the known producers/exporters in China as well as the Chinese embassy in India to respond to the notice of initiation and provide information relevant to determination of their market economy status. The Authority sent copies of the MET questionnaire to all the known producers/ exporters for rebutting presumption of nonmarket economy in accordance with criteria laid down in Para 8(3) of Annexure-I to the Rules. The Authority also requested Government of China to advise the producers/exporters in their country to provide the relevant information. However, none of the Chinese producers/exporters has filed any response. The Authority notes that in the past three years China PR has been treated as a non-market economy country in anti-dumping investigations by India and other WTO Members. In view of the same, the Authority treats the subject country producers/exporters as non-market economy in the present investigation.

27. As per Paragraph 8, Annexure I to the Anti Dumping Rules as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporter(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) in Paragraph 8 and establish to the contrary. The cooperating exporter/producer of the subject goods from China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether:-

- (i) The decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labor, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
- (ii) The production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
- (iii) Such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms; and
- (iv) The exchange rate conversions are carried out at the market rate.

28. In view of the fact that none of the producers/exporters has filed any exporters questionnaire including MET questionnaire, MET status has not been accorded to Chinese producers. Further, none of the interested parties, including the domestic industry, has made available any material fact to the Authority to select an appropriate market economy third country. The Authority has, therefore, determined the normal value in respect of China PR on other reasonable basis, in terms of second proviso of Para 7 of Annexure 1 to the Rules.

29. Para 7 of Annexure I of the Anti-dumping Rules provides that:

“In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated Authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments.”

30. Accordingly, the ex-works Normal Value of the product under consideration for all exporters from China PR has been constructed based on facts available and the Authority has determined the normal value in respect of China PR on other reasonable basis, in terms of second proviso of Para 7 of Annexure 1 to the Rules.

Methodology adopted for constructing Normal Value in case of China PR

31. The Authority has constructed the Normal value for the Chinese producers on the following basis –

- a) Prices of major inputs have been taken on the basis of procurement price to the domestic industry. Price of one raw material is based on prevailing international prices and the rest raw materials are based on domestic prices;
- b) Consumption of raw materials and conversion costs has been adopted on the basis of information/data of the domestic industry.
- c) Selling, general & administrative costs have been taken on the basis of information/data of the domestic industry.
- d) Profit has been taken @ 5% of ex-factory cost excluding interest.

32. For the purposes of conducting a fair comparison, separate normal value has been calculated for Steel and Fibre Glass Tapes. Accordingly, the constructed normal value determined by the Authority in respect of China PR for Steel Tapes and Fibre Glass Tapes is as indicated in the dumping margin table below.

E.4 Determination of Export Price

33. Since none of the exporters from subject country has responded to the Authority, the Authority has determined Export Price in respect of imports from China PR on the basis of best information available in accordance with Rule 6(8) of the AD Rules. The applicant has determined export price on the basis of imports of the product under consideration in India, as reported by IBIS, the data supplying agency. The Designated Authority has received transaction wise import data from the DGCIS during the course of the

investigations as well. It is seen that the volumes of imports reported by IBIS is significantly higher as compared to DGCIS (in the POI itself, the import volume reported in IBIS is 24 times more than that in the DGCIS) and, therefore, the Authority has considered the data received from IBIS and determined the export price considering all imports of the product under consideration in India. Price adjustments have been made on the basis of claims made by applicant domestic industry in view of non cooperation from the exporters from China PR. Export price has been determined at ex-factory level after adjusting for ocean freight, marine insurance, commission, bank charges, port and inland freight charges. Accordingly, the export price determined by the Authority in respect of China PR for Steel Tapes and Fibre Glass Tapes is as in the dumping margin table below.

E.5 Dumping Margin

34. Considering the normal value and export price as determined above, the dumping margin has been determined as follows. It is seen that the dumping margins are more than de minimis and significant.

Dumping Margin

Parameters	Unit of Measurement	Steel Measuring Tapes	Fibre Glass Measuring Tapes
Normal Value	US\$/kg	***	***
Export Price	US\$/kg	***	***
Dumping Margin	US\$/kg	***	***
Dumping Margin %	%	***	***
Dumping Margin Range %	%	120-160	50-70

F. METHODOLOGY FOR INJURY DETERMINATION AND EXAMINATION OF INJURY AND CAUSAL LINK

F.1 Submissions by the Domestic Industry

35. The Domestic Industry has made the following submissions with regard to the injury and causal link:
- Demand has shown an increasing trend over the injury period.
 - Despite the presence of anti-dumping duties, imports are entering at dumped prices.
 - The domestic industry is suffering from dumping from a number of countries, in addition to China. The domestic industry has filed a petition seeking initiation of anti dumping investigations in respect of imports of the product under consideration from Taiwan, Thailand, Malaysia and Vietnam. The said petition is pending before the Authority for a decision on initiation.
 - Imports from China declined till 2012-13 and increased thereafter in the period of investigation.
 - Volume of imports from China is much lower as compared to dumped imports from third countries, which establishes that since the importers had access to dumped imports from third countries, the importers did not import from China and imported from third countries.
 - There has been significant price undercutting in the injury period.
 - Landed price of imports are substantially below the cost and selling price of the Domestic Industry. Whereas both cost of production and selling prices increased over the period, the increase in the selling price is less than the increase in the cost of production.
 - Dumped imports from existing and fresh sources are suppressing the prices of the domestic industry and preventing the price increases that would have occurred in the absence of dumping.
 - Increase in production and sales volumes is only because domestic industry tried to combat the price injury they were suffering by increasing sales, even if the sales were at suppressed prices.
 - Performance of the domestic industry has deteriorated significantly in terms of profits, return on investments and cash flow.
 - Growth of the domestic industry is adverse in terms of price parameters.

F.2 Submissions made by the producers/exporters/other interested parties

36. No submissions have been made by any producer/exporter/other interested parties with regard to the injury and causal link.

F.3 Examination by the Authority

37. In consideration of the various submissions made by the domestic industry in this regard, the Authority proceeds to examine the current injury, if any, to the domestic industry before proceeding to examine the likelihood aspects of dumping and injury on account of imports from the subject country.

38. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure-II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, “.... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....” In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

39. Article 3.1 of the WTO Agreement and Annexure-II of the AD Rules provide for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like products; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.

40. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the rules supra.

41. The present investigation is a sunset review of anti-dumping duties in force. Rule 23 provides that provisions of Rule 11 shall apply, mutatis mutandis, in case of a review as well. The Authority has, therefore, determined injury to the domestic industry considering, mutatis mutandis, the provisions of Rule 11 read with Annexure II. Further, since anti-dumping duties are in force on imports of the product under consideration, the Authority considers whether the existing anti-dumping duties on the imports of subject goods from China PR are required to be considered while examining injury to the domestic industry. The Authority has examined whether the existing antidumping measure is sufficient or not to counteract the dumping which is causing injury.

42. According to Section 9(A)(5) of the Customs Tariff Act, anti-dumping duty imposed shall, unless revoked earlier, cease to have effect on the expiry of five years from the date of such imposition, provided that if the Central Government, in a review, is of the opinion that the cessation of such duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury, it may, from time to time, extend the period of such imposition for a further period of five years and such further period shall commence from the date of order of such extension.

43. For the purpose of injury analysis, the Authority has examined the volume and price effects of dumped imports of the subject goods on the domestic industry and its effect on the prices and profitability to examine the existence of injury and causal link between the dumping and injury, if any. The Authority has examined injury to the domestic industry by considering information relating to M/s FMI Ltd., constituting domestic industry under the Rules. Accordingly, the volume and price effect of dumped imports have been examined as follows:

F. 4 Volume Effect of dumped imports and Impact on domestic Industry**a) Demand and Market Share**

44. The Authority has determined demand or apparent consumption of the product in the Country as the sum of domestic sales of the Indian producers and imports of the subject goods in India from all sources. The demand so assessed can be seen in the table below. It is seen that demand of the product under consideration in the country has increased up to 2012-13 and then declined slightly in the POI. However, the demand has increased during the POI as compared to the base year. The market share of Indian producers and the subject country has declined over the injury period. However, the market share of imports from other countries has increased. The petitioner has claimed that imports from fresh sources have started entering at dumped prices and that they have already filed a petition before the Authority for consideration of initiation of anti dumping investigations on these sources.

Demand and Market Share in India

Demand	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI	POI annualized
Subject Country – China PR	MT	66.42	32.25	18.48	20.32	27.09
Imports from Other Countries	MT	555.60	762.86	1,254.21	840.92	1,121.23
Sales of domestic industry	MT	964	1057	1267	946	1261
Sales of Other Indian producers	MT	950	923	1,120	826	1,101
Sales of all Indian producers	MT	1,914	1,980	2,387	1,772	2,362
Total Demand	MT	2,537	2,774	3,659	2,633	3,510
Market share in demand:						
Subject country-Imports	%	3%	1%	1%	1%	1%
Other Countries-Imports	%	22%	27%	34%	32%	32%
Domestic Industry	%	38%	38%	35%	36%	36%
Other Indian Producers	%	37%	33%	31%	31%	31%
Domestic Producers as a whole	%	75%	71%	65%	67%	67%

**POI – April 2013-December 2013*

b) Import volumes and market shares

45. With regard to volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports either in absolute terms or relative to production or consumption in India. Volume of imports and imports in relation to production and consumption in India are given in the table below:

Import Volume	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI	POI annualized
Subject Country – China PR	MT	66	32	18	20	27
Imports from Other Countries	MT	556	763	1,254	841	1,122
Total Imports		622	795	1,272	861	1,149
Demand	MT	2,537	2,774	3,659	2,633	3,510
Production of Domestic Industry	MT	1,151	1,235	1,521	1,021	1,361
Production of other producers	MT	956	914	1,127	807	1,077
Total Production	MT	2,107	2,149	2,648	1,828	2,438
Imports from subject country in relation to:						
Total Imports	%	10.68%	4.06%	1.45%	2.36%	2.36%
Demand	%	2.62%	1.16%	0.50%	0.77%	0.77%
Production	%	3.15%	1.50%	0.70%	1.11%	1.11%

**POI – April 2013-December 2013*

46. The Authority notes that imports of the subject goods from China PR declined in 2012-13, but increased again in the period of investigation. However, the share of imports from China PR in relation to total imports into India, apparent demand/consumption in India and total production in India is much lower as compared to imports from third countries. The domestic industry has claimed that the imports of the product under consideration from the subject country declined as a result of imposition of anti dumping duty. At the same time, they have also claimed that there is strong likelihood that volume of imports from the subject country shall intensify if anti dumping duties are allowed to cease.

F.5 Price Effect of the Dumped imports and impact on the Domestic Industry

47. The impact on the prices of the domestic industry on account of imports of the subject goods from the subject country have been examined with reference to price undercutting, price underselling, price suppression and price depression. For the purpose of this analysis the cost of production, net sales realization (NSR) and the non-injurious price (NIP) of subject goods of the domestic industry have been compared with landed value of imports from the subject country. A comparison for subject goods during the period of investigation was made between the landed value of dumped imports and the domestic selling price in the domestic market. In determining the net sales realization of the domestic industry, taxes, rebates, discounts and commission offered by the domestic industry have been adjusted. The price underselling is an important indicator of assessment of injury. Thus, the Authority has worked out a non-injurious price and compared the same with the landed value to arrive at the extent of price underselling. The non-injurious price has been evaluated for the domestic industry by appropriately considering the cost of production for the product under consideration during the POI. The position is as follows:

a) Price Undercutting and Price Underselling

48. The price undercutting/underselling effects are examined below:

Steel Measuring Tapes

Particulars	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI
Net Selling Price	Rs/KG	***	***	***	***
Landed price	Rs/KG	***	***	***	***
Price undercutting	Rs/KG	***	***	***	***
Price undercutting	%	***	***	***	***
Price undercutting	Range %	60-70%	30-50%	50-60%	50-60%

Fibre Glass Measuring Tapes

Particulars	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI
Net Selling Price	Rs/KG	***	***	***	***
Landed price	Rs/KG	***	***	***	***
Price undercutting	Rs/KG	***	***	***	***
Price undercutting	%	***	***	***	***
Price undercutting	Range %	80-90%	75-85%	30-40%	35-45%

Measuring Tapes (Steel and Fibre Glass)

Particulars	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI
Net Selling Price	Rs/KG	***	***	***	***
Landed price	Rs/KG	***	***	***	***
Price undercutting	Rs/KG	***	***	***	***
Price undercutting	%	***	***	***	***
Price undercutting	Range	75-85%	60-70%	50-60%	50-60%

Price Underselling

Parameters	Unit	Steel Tapes	Fibre Glass Tapes	Measuring Tapes (Steel & Fibre Glass)
Non-injurious Price of DI	Rs/KG	***	***	***
Landed Value	Rs/KG	***	***	***
Price Underselling	Rs/KG	***	***	***
Price Underselling	%	***	***	***
Range	%	100-130	40-50	100-120

49. The Authority notes that without anti dumping duty, the landed price of imports is far below the selling price of the domestic industry, thus resulting in significant price undercutting in the event of cessation of anti dumping duty. Further, the landed price of imports is substantially lower than the non-injurious price of the domestic industry in the absence of anti dumping measures, thereby, resulting in significant price underselling effect.

b) Price Suppression and Depression

50. To examine the price suppression and depression effects of the dumped imports on the domestic prices, the trend of net sales realization of the domestic industry has been compared with the cost of sales. The given data shows that whereas both the cost of sales and the selling price of domestic industry increased over the injury period, the increase in selling price was lower than the increase in the cost, signifying existence of price suppression effect. The applicant has claimed that the cost increased as a result of increase in input cost and the domestic industry was unable to increase its prices in proportion to increase in cost due to effect of dumped imports from the existing as well as fresh sources. Resultantly, the profitability of the domestic industry has declined.

Description	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI
Cost of Sales	Rs/KG	***	***	***	***
<i>Trend</i>		<i>100</i>	<i>105</i>	<i>117</i>	<i>121</i>
Selling Price	Rs/KG	***	***	***	***
<i>Trend</i>		<i>100</i>	<i>101</i>	<i>105</i>	<i>107</i>
Profit/Loss	Rs/KG	***	***	***	***
<i>Trend</i>		<i>100</i>	<i>71</i>	<i>22</i>	<i>10</i>

F.6 Impact on Economic Parameters of the Domestic Industry

51. Annexure II to the Anti-dumping Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the Anti-dumping Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments etc. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed herein below.

a) Capacity, Production, Capacity Utilization and Sales

52. Information on capacity, production, capacity utilization and sales volumes of the domestic industry is as under.

Particulars	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI	POI annualized
Installed Capacity	MT	2,400	2,400	2,400	1,800	2,400
Production	MT	1,151	1,235	1,521	1,021	1,361
Capacity Utilization	%	48%	51%	63%	57%	57%
Domestic Sales	MT	964	1,057	1,267	946	1,261

53. The Authority notes that there is no change in the capacity of the domestic industry over the injury period. The production and sales of the product under consideration increased up to 2012-13 and then declined in the POI. It is noted that the capacity utilization increased upto 2012-13 and declined thereafter in the POI. However, the domestic industry continued to face under-utilized capacities throughout the injury period.

(b) Market Share

54. It is noted from the table below that the market share of the subject country has declined as a result of anti dumping duty being in place. However, the market share of Indian producers has declined over the injury period market, whereas the market share of imports from other countries allegedly dumping the goods has increased. The petitioner has claimed that imports from fresh sources are at dumped prices. They have filed a petition before the Authority for consideration of anti dumping investigations on these sources.

Market share in demand	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI	POI annualized
Subject country-Imports	%	3%	1%	1%	1%	1%
Other Countries-Imports	%	22%	27%	34%	32%	32%
Domestic Industry	%	38%	38%	35%	36%	36%
Other Indian Producers	%	37%	33%	31%	31%	31%
Domestic Producers as a whole	%	75%	71%	65%	67%	67%

c) Profits, Return on Capital Employed and Cash Profit

55. The profits, return on investment and cash profit of the domestic industry have been examined as under:

Particulars	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI annualized
Cost of Sales	Rs./KG	***	***	***	***
<i>Trend</i>		<i>100</i>	<i>105</i>	<i>117</i>	<i>121</i>
Selling Price	Rs./KG	***	***	***	***
<i>Trend</i>		<i>100</i>	<i>101</i>	<i>105</i>	<i>107</i>
Profit/ Loss per unit	Rs./KG	***	***	***	***
<i>Trend</i>		<i>100</i>	<i>71</i>	<i>22</i>	<i>10</i>
Profit/ Loss	Rs. Lacs	***	***	***	***
<i>Trend</i>		<i>100</i>	<i>78</i>	<i>29</i>	<i>10</i>
Profit before interest & tax	Rs. Lacs	***	***	***	***
<i>Trend</i>		<i>100</i>	<i>83</i>	<i>47</i>	<i>25</i>
Cash Profit	Rs. Lacs	***	***	***	***
<i>Trend</i>		<i>100</i>	<i>79</i>	<i>40</i>	<i>22</i>
Return on Capital Employed	%	***	***	***	***
<i>Trend</i>		<i>100</i>	<i>87</i>	<i>33</i>	<i>18</i>

56. The Authority notes from the above as under:

- (i) Both the selling price and cost of sales of the domestic industry increased over the injury period. However, the increase in cost of sales of the domestic industry was much higher than the increase in the selling price.
- (ii) Profitability has declined over the injury period. The applicant has claimed that injury has been inflicted by cumulative dumped imports from the subject country as well as various new sources in the current injury period. Profitability was significantly low in the period of investigation.
- (iii) Profits, cash profits, profit before interest & tax and return on capital employed have declined drastically over the injury period with the decline in profitability.
- (iv) It is noted that the profitability has declined despite increase in production and sales volumes of domestic industry. This is reflective of the fact that the increase in production and sales volumes is only because domestic industry tried to combat the price injury they were suffering by increasing sales, even if they were selling at suppressed prices.

d) Employment and Wages

57. The employment and wages have increased over the injury period as can be seen from the table below:

Particulars	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI*
Employment	Nos.	***	***	***	***
Wages	Rs. (Lacs)	***	***	***	***

e) Productivity

The productivity of the domestic industry is given in the following table:

Description	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI
Productivity Per Employee	MT	***	***	***	***
Productivity Per Day	MT	***	***	***	***

59. The Authority notes that the productivity per employee and productivity per day have increased up to 2012-13 and then declined in the POI in lines with the trend of production over the period.

f) Inventories

60. The Authority has examined the inventory level of the domestic industry which is given in the following table.

Description	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI
Average Stock	MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>		<i>100</i>	<i>110</i>	<i>209</i>	<i>246</i>

61. It is noted from the above table that the inventory with the domestic industry has increased substantially over the injury period.

g) Magnitude of Dumping

62. Magnitude of dumping as an indicator of the extent to which the dumped imports can cause injury to the domestic industry shows that the dumping margin determined by the Authority against the subject country is above *de minimis* and significant.

h) Ability to raise capital

63. The applicant has argued that given the current state of affairs where the product is consistently not performing well because of persistent dumping, any fresh investment is not envisaged.

i) Growth

64. With regard to the growth of the domestic industry, the position is as under:

Particulars	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI
Production	%	-	7.31	23.13	-10.51
Domestic Sales	%	-	9.60	19.85	-0.44
Inventory	%	-	10.46	89.44	17.63
Profit per MT	%	-	-29.10	-69.18	-54.14
Return on Investment (NFA)	%	-	-5%	-21%	-6%

65. The Authority notes that though the production and domestic sales of the domestic industry increased over the injury period. However the growth was negative in the POI. Inventories have increased substantially in the period of investigation. Price parameters such as profits and return on investments have shown consistent negative growth.

j) Factors Affecting Domestic Prices

66. The examination of the import prices from the subject country and other countries, change in the cost structure, competition in the domestic market, factors other than dumped imports that might be affecting the prices of the domestic industry in the domestic market shows that without antidumping duty, the landed value of imported material from the subject country would be below the selling price and the non-injurious price of the domestic industry in the absence of anti dumping measures, causing significant price undercutting as well as price underselling, in the Indian market. It is also noted that the demand for the subject goods was showing significant increase over the injury period, and, therefore it could not have been a factor affecting domestic prices. Thus, the principal factor affecting the domestic prices is landed value of subject goods from the subject country and other dumping countries.

F.5 Other Known Factors and Causal Link

67. The Authority has examined whether other known factors could have caused injury to the domestic industry as follows:

(a) Volume and Prices of imports not sold at dumped prices

68. The Authority notes that apart from the subject country, imports of Measuring Tapes from Taiwan, Thailand, Vietnam and Malaysia are significant in volume and at low prices. The Authority has received a petition for imposition of anti dumping duty on imports from these countries. The Authority is investigating the merits for initiating an anti-dumping investigation in respect of imports from these countries. The petition prima facie shows that the imports of the product under consideration from these sources are at dumped prices. Imports of product under consideration from all other countries are either low in volume or at high prices and are not causing injury to the domestic industry.

(b) Contraction in demand and / or change in the pattern of consumption

69. The Authority notes that demand for the product has grown over the injury period, except a slight decline in the POI. However, demand for the product under consideration has increased in the POI as compared to the base year. Hence, a decline in demand cannot be causing injury to the domestic industry. Further, the Authority has found no evidence of a change in the pattern of consumption of the product.

(c) Trade restrictive practices of and competition between foreign and domestic producers

70. The Authority notes that the subject goods are freely importable and there are no trade restrictive practices in the domestic market. Further there is no perceptible competition among the domestic producers, except that is obvious of a market economy, which could have been a cause of injury to the domestic industry. It is noted that there is a single market for the subject goods where dumped imports from the subject country compete directly with the subject goods supplied by the domestic industry. It is also noted that the imported subject goods and domestically produced goods are like articles and are used for similar applications/end uses. There is no evidence of trade restrictive practices of and competition between the foreign producers and domestic producers causing injury to the domestic industry.

71. The applicant claimed that injury to the domestic industry is not on account of inter-se competition. The Authority notes from the information on record that (a) the sales of petitioner and supporter Freemans Measures with highest volumes ("main supporter") shows the same trend, (b) sales of both petitioner and main supporter declined in POI when the imports from these third countries increased significantly in the POI, (c) market share of both petitioner and main supporter declined over the period. In a situation where the injury to the domestic industry would have been due to main supporter, their performance should have improved and petitioner's performance should have declined. However, in the instant case, even the main supporter has lost sales and market share. It is also noted that the supporter with highest volumes and petitioner have remained in the market place throughout the injury period. Thus, inter-se competition has remained throughout the injury period and, therefore, the claimed deterioration in performance of the domestic industry could not have been because of inter-se competition. It is not a situation where there was no competition with the main supporter in the past and there is competition with the main supporter in the present POI.

(d) Developments in Technology

72. The Authority notes that there are no developments in technology with respect to the product or its manufacture that could have resulted in the injury caused to the domestic industry.

(e) Export performance

73. The Authority notes that the domestic industry does export the product. However, information relating to injury has been examined separately for domestic operations to the extent possible. Any deterioration in the export performance of the domestic industry is, therefore, not a possible cause of the injury determined.

(f) Productivity of the domestic industry

74. The Authority notes that productivity of the domestic industry has increased in accordance with the increase in production. Hence, a decline in productivity cannot be a cause for the injury determined.

(g) Performance of other products

75. The Authority notes that the performance of other products being produced and sold by the domestic industry is not a possible cause of the injury found, since all parameters were examined with respect to the like article in this investigation.

76. The Authority notes that while the known other factors listed above do not appear to have caused the injury determined, the following parameters show that injury to the domestic industry is likely from dumped imports from China, should the present anti dumping duty be allowed to cease.

(i) The dumped imports from the subject country have continued throughout the investigation period, though the volumes have declined.

(ii) Subject imports are coming at prices lower than domestic prices. Once anti dumping duty is discontinued, the dumped imports are likely to increase and cause further injury.

(iii) The capacities available with the Chinese producers and their export orientation suggest that in case anti dumping duty ceases, the volume of dumped imports would increase.

(iv) The imports would undercut the domestic prices in the absence of anti dumping measures. Domestic industry is already facing price suppression in the market. This has resulted in declining profitability to the domestic industry, which would increase further in the event of cessation of anti dumping duty.

(v) Performance of the domestic industry has deteriorated in respect of parameters such as profits, return on investment and cash profit as a result of price suppression.

(vi) In the absence of an anti dumping measure, the likelihood of continuation of dumping and injury cannot be ruled out as is evident from the examination of likelihood of continuation of dumping and consequent injury.

F.6 Conclusion on Injury and Causation

77. The Authority notes that the volume of dumped imports from the subject country has declined as a result of anti dumping measures being in force and apparent fresh dumping being faced by the domestic industry from new sources. Production and sales of the domestic industry have increased

upto 2012-13 and declined thereafter in the POI. Profit-related parameters have all been shown significant deterioration over the injury period. Profits, cash flow and return on investment have declined significantly. Inventories have increased substantially in the period of investigation. The Authority notes that the domestic industry has suffered injury during the current period.

F.7 Likelihood of continuation/recurrence of dumping and injury **Submissions by Domestic Industry**

78. The domestic industry has made the following submissions with regard to likelihood of continuation/recurrence of dumping and injury:-

- i. There is continued dumping of the product under consideration from China PR. Dumping of the product under consideration is likely to intensify from the subject country should the current anti-dumping duty cease.
- ii. The exporters and producers of the subject country continued to export the material at dumped prices even after imposition of the anti-dumping duty

Nature of Investigation	Dumping Margin (%)	
	Steel	Fibre Glass
Original Investigation	1069%	148%
First SSR Investigation	275 to 325%	625 to 675%

- iii. Dumped imports from subject country would cause significant price undercutting in the absence of anti dumping duty.
- iv. The landed price of imports from the subject country in the absence of anti dumping duty would be significantly lower than the selling price and cost of sales of the Domestic Industry. These producers would, therefore, aggressively target Indian market in the event of cessation of anti dumping duty.
- v. Exporters in the subject country have capacities far in excess of Indian demand.

SN	Name	Capacity/production
1.	Ningbo Hongdi Measuring Tape Industry Company	4,000,000 pieces/month
2.	Ningbo Assist Tools Co Ltd.	4500,000 pieces/month
3.	Baofeng Tools & Measuring Tools Co Ltd	500,000 pieces/month
4.	Henan Bonthe Measuring Tools Co Ltd	100,000 pieces/month
5.	Yucheng Xinghong Measuring Tools Co Ltd.	300,000 pieces/month
6.	Foshan Zongtian Measuring Tools Co Ltd	1,000,000 pieces/month

- vi. Dumping Margin determined in previous investigations and present petition are significant and clearly shows likelihood of dumping and consequent injury in the event of cessation of anti-dumping duty.
- vii. Cessation of anti-dumping duty shall cause significant price suppressing and depressing effect.
- viii. Domestic Industry is vulnerable to injury from dumped imports. Current level of dumping margin from the subject country creates great possibility that expiry of duty will result in intensified dumping of subject goods from the subject country in the Indian market in increased volumes; given the fact that subject country holds excessive capacities.
- ix. The foreign producers are intensely focused on exports. In the event of cessation of duty, these exporters are likely to increase their exports to India at dumped prices.

SN	Name of the company	Export orientation
1	Shaanxi Yuan Hang Machinery Equipment Import & Export Corporation Ltd.	91% - 100%
2	Ningbo Assist Tools Co Ltd	81%-90%
3	Baofeng Tools & Measuring Tools Co Ltd	51% - 60%
4	Henan Bonthe Measuring Tools Co Ltd	71%-80%
5	Yucheng Xinghong Measuring Tools Co Ltd	91%-100%
6	Foshan Zongtian Measuring Tools Co Ltd	11%-20%

- x. In the event of cessation of current anti-dumping duty and if domestic industry chooses to sell at import prices, the domestic industry would suffer significant financial losses. The return on investment and cash profit are already significantly low, and would deteriorate even further.
- xi. Decline in imports post imposition of duty and positive dumping margin in such imports implies likelihood of dumping in the event of withdrawal of duty and in itself justifies extension of anti dumping duty.
- xii. Even in the event of low volumes of imports reported during the POI of a sunset review investigation, anti-dumping duty can be continued. There are a number of instances where foreign authorities have continued the anti dumping duty in the first and subsequent sunset reviews.

Examination by the Authority

79. The present investigation is a sunset review of anti-dumping duties earlier imposed on imports of Measuring Tapes from China. Under the Rules, the Authority is required to determine whether continued imposition of antidumping duty is warranted. This also requires a consideration of whether the duty imposed is serving the intended purpose of eliminating injurious dumping. In this case, as there are continued dumped imports, the Authority is required to examine whether cessation of anti dumping duty is likely to lead to continued dumping of the product. Exporters and producers from the subject country are exporting the subject goods at dumped prices. In the previous investigations also dumping margin was significant. In such a situation, the Authority has no reason to believe that dumping will not intensify if the duty is removed.

Level of current and past dumping margin

80. Considering the dumping margin determined by the Authority in the previous investigation and the dumping margin now assessed, it is quite evident that the exports continued to be made at dumped prices and are likely to continue with the cessation of anti dumping duties. Though the volume of imports has declined over the injury period as a result of anti-dumping duties being in force, yet the domestic industry has witnessed deterioration in the financial performance of the product under consideration in view of continued dumping in the market. The volume of imports from the subject country is likely to increase in the event of cessation of anti-dumping duties, given the significant price undercutting in the absence of anti-dumping duty and underselling effects.

Price attractiveness of Indian market

81. The price at which the subject goods are being exported by China PR to India is an indicator of the likelihood of continuation of dumping and injury to the domestic industry. At the landed price in India, there is significant undercutting without anti dumping duty. Thus, with the cessation of anti-dumping duties, the Indian prices would be too attractive to these exporters and there is strong likelihood that Indian consumers would import substantially.

Significant capacities with the subject country

82. As per information on record, Chinese producers have significant capacity. In the event of cessation of anti-dumping duty, these producers are likely to intensify dumping of the subject goods.

Conclusion on Likelihood of dumping and injury

83. Considering the fact that imports from the subject country have continued at dumped prices despite existing anti dumping duty, there exists likelihood of intensified dumping and consequent injury to the domestic industry in the event of cessation of anti dumping duty. It is further noted that the import prices would undercut the domestic prices and also have a significant suppressing effect on the domestic prices.

Magnitude of injury and injury margin

84. The Authority has determined non-injurious price for the domestic industry, taking into consideration the cost of production of the domestic industry. This non-injurious price of the domestic industry has been compared with the landed value of the subject imports from the subject country to determine injury margin. The injury margin has been worked out as follows:

Injury Margin Table

Parameters	Unit	Steel Measuring Tapes	Fibre Glass Measuring Tapes
Non-injurious Price of DI	US\$/Kg	***	***
Landed Value	US\$/Kg	***	***
Injury Margin	US\$/Kg	***	***
Injury Margin %	%	***	***
Injury Margin Range%	%	100-130	40-50

85. It is noted that the level of injury margin, as determined, is considered significant.

F. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST:

86. The purpose of anti dumping duties in general is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. The Authority recognizes that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the products manufactured by using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods. The Authority notes that the imposition of anti dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The consumers could still maintain two or even more sources of supply.

G. POST DISCLOSURE STATEMENT SUBMISSIONS BY THE INTERESTED PARTIES**G.1 Post Disclosure Statement submissions by the opposing Interested Parties**

87. None of the exporters/importers/users and other opposing interested parties has made any post Disclosure Statement submissions.

G.2 Post Disclosure Statement submissions by the Domestic Industry

88. Following are in brief the post Disclosure Statement submissions made by the domestic industry:

- The Authority has rightly proposed to treat all exporters in China as operating under non-market economy conditions as none of the exporters from China PR have responded to the investigations or claimed Market Economy Treatment.
- Normal value has been determining considering constructed cost of production.
- The investigation has established existence of significant dumping.
- The imports of the product from the subject country have continued at dumping prices in spite of anti dumping duty in force.
- Demand has shown an increasing trend over the injury period.
- The domestic industry is suffering from dumping from a number of countries, in addition to China. The domestic industry has filed a petition seeking initiation of anti dumping investigations in respect

of imports of the product under consideration from Taiwan, Thailand, Malaysia and Vietnam. The said petition is pending before the Authority for a decision on initiation.

- g. Imports from China declined till 2012-13 and increased thereafter in the period of investigation.
- h. Volume of imports from China is much lower as compared to dumped imports from third countries, which establishes that since the importers had access to dumped imports from third countries, the importers did not import from China and imported from third countries.
- i. Landed price of imports are substantially below the cost and selling price of the Domestic Industry. Whereas both cost of production and selling prices increased over the period, the increase in the selling price is less than the increase in the cost of production.
- j. Dumped imports from existing and fresh sources are suppressing the prices of the domestic industry and preventing the price increases that would have occurred in the absence of dumping.
- k. Increase in production and sales volumes is only because domestic industry tried to combat the price injury they were suffering by increasing sales, even if the sales were at suppressed prices.
- l. Performance of the domestic industry has deteriorated significantly in terms of profits, return on investments and cash flow.
- m. Growth of the domestic industry is adverse in terms of price parameters.
- n. Both dumping margin and injury margin in the current POI are positive and significant.
- o. The price undercutting without prevailing anti dumping duties is positive and is quite significant.
- p. The import prices without anti-dumping duty are materially below selling price of the domestic industry. The consumers would, therefore, switch to imported product in the event of cessation of anti dumping duty which will lead to significant increase in imports of the product.
- q. There is likelihood of intensified imports in case existing anti dumping duty ceases.
- r. The domestic industry is likely to suffer injury in the event of cessation of anti dumping duty.
- s. The anti dumping duty is required to be continued.
- t. Duty may be recommended on fixed amount basis in US\$ term.

G.3 Examination by the Authority

89. The Authority has reached to the conclusion that the above arguments of the domestic industry are repetitive and have already been dealt with by the Authority in the Disclosure Statement earlier and have also been dealt with again in the Final Findings Notification under appropriate headings.

H. **CONCLUSION**

90. The Authority notes that none of exporters from China PR and importers/users and other opposing interested parties in India participated in the investigation, i.e., they neither submitted post initiation responses nor participated in the Oral Hearing or made any post Disclosure Statement submissions. Having regard to the contentions raised, information provided and submissions made by the domestic industry and facts available before the Authority and on the basis of above analysis including analysis of likelihood of continuation of dumping and injury and post Disclosure Statement submissions made by the Domestic Industry, the Authority concludes that:

- a. There is continued dumping of the product under consideration from China PR. Dumped imports have continued to enter in the country even after the anti dumping duty has been in force.
- b. Dumped imports are causing injury to the domestic industry.
- c. Chinese producers are holding significant capacities for the product under consideration and have very high export orientation. Dumping of the product under consideration is likely to intensify from the subject country, should the current anti dumping duty be revoked. It is, therefore, concluded that the dumping and injury is likely to continue if the anti dumping duty is revoked.
- d. The Authority, thus, in order to remove likely injury to the domestic industry, considers it necessary to recommend continuation of definitive anti dumping duty on all imports of the subject goods from the subject country.

I. **RECOMMENDATION**

91. Having concluded as above, the Authority is of the view that the antidumping measure is required to be recommended to offset dumping of the subject goods originating in or exported from the subject country and its consequential injury to the domestic industry.

92. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of anti-dumping duty on the imports of the subject goods originating in or exported from the subject country equal to the lesser of the margin of dumping and the margin of injury so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, anti-dumping duty equal to the amount indicated in the table below is recommended to be imposed concerning all imports of the subject goods, originating in or exported from the subject country, by the Central Government.

Duty Table

S.No.	Heading/ Subheading	Description of goods	Specifi- cation	Country of Origin	Country of Exports	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit	Curr- ency
1.	9017 80 10 or 9017 90 00	Measuring Tapes	Steel Tapes and parts and components thereof	China PR	China PR	Any	Any	2.83	kg	US\$
2.	9017 80 10 or 9017 90 00	Measuring Tapes	Steel Tapes and parts and components thereof	China PR	Any other than China PR	Any	Any	2.83	kg	US\$
3.	9017 80 10 or 9017 90 00	Measuring Tapes	Steel Tapes and parts and components thereof	Any other than China PR	China PR	Any	Any	2.83	kg	US\$
4.	9017 80 10 or 9017 90 00	Measuring Tapes	Fibre glass Tapes and parts and components thereof	China PR	China PR	Any	Any	1.33	kg	US\$
5.	9017 80 10 or 9017 90 00	Measuring Tapes	Fibre glass Tapes and parts and components thereof	China PR	Any other than China PR	Any	Any	1.33	kg	US\$
6.	9017 80 10 or 9017 90 00	Measuring Tapes	Fibre glass Tapes and parts and components thereof	Any other than China PR	China PR	Any	Any	1.33	kg	US\$

93. Landed value of imports for the purpose of this Notification shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and includes all duties of customs except duties under Sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the said Act.

94. An appeal against the order of the Central Government shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

J. K. DADOO, Designated Authority